दैनिक

करंट क्राइम

www.currentcrime.com

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

सिर्फ सच...

● नई दिल्ली। शनिवार 27 दिसम्बर -2025 | ● वर्ष : 10 अंक : 368 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

वीर साहिबजादों ने मजहबी कट्टरता-आतंक का वजूद हिलाया : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

वीर साहिबजादों को छोटी उम्र में उस समय की सबसे बड़ी सत्ता से टकराना पड़ा :पीएम मोदी

उन्होंने कहा, 'वीर साहिबजादों को छोटी सी उम्र में उस समय की सबसे बड़ी सत्ता से टकराना पड़ा। वो लड़ाई भारत के मूल विचारों और मजहबी कट्टरता के बीच थी। वो लड़ाई सत्य बनाम असत्य के बीच थी। उस लड़ाई की एक ओर गुरु गोविंद सिंह जी थे, दूसरी ओर क्रूर औरंगजेब की हुकूमत थी।' उन्होंने कहा कि हमारे साहिबजादे उस समय छोटे ही थे, लेकिन औरंगजेब की क्रूरता को इससे फर्क नहीं पड़ा। वो जानता था कि उसे अगर भारत के लोगों को डराकर उनका धर्मांतरण कराना है तो इसके लिए उसे हिंदुस्तानियों का मनोबल तोड़ना होगा। इसलिए उसने साहिबजादों को निशाना बनाया।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीर बाल दिवस के मौके पर नई दिल्ली में स्थित भारत मंडपम में बच्चों को संबोधित किया। भारत मंडपम में हुए आयोजन से पहले प्रधानमंत्री ने इस वर्ष वीरता पुरस्कार से सम्मानित बच्चों के साथ संवाद भी किया। बच्चों के साथ मुलाकात करने की वीडियो भी सामने आया है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'आज देश वीर बाल दिवस मना रहा है। अभी वंदे मातरम की सुंदर प्रस्तुति हुई। आज हम उन वीर साहिबजादों को याद कर रहे हैं, जो भारत का गौरव हैं।' उन्होंने कहा, 'वीर साहिबजादे भारत के अदम्य साहस, शौर्य, वीरता की पराकाष्ठा हैं। वीर साहिबजादों ने उम्र और अवस्था की सीमाओं को तोड़ दिया। वे क्रूर मुगल सल्तनत के सामने चट्टान की तरह खड़े हो गए। इससे मजहबी कट्टरता और आतंक का वजूद ही हिल गया।'

पीएम मोदी ने कहा कि भले ही पूरी मुगलिया बादशाहत उनके पीछे लग गई, लेकिन चारों साहिबजादों में से एक को भी डिगा नहीं पाई। साहिबजादा अजीत सिंह जी के शब्द आज भी उनके हौसले की कहानी कहते हैं। अजीत सिंह जी ने कहा था कि नाम का अजीत हूं, जीता न जाऊंगा, जीता भी गया तो जीता न आऊंगा।

इस बार का शीतकालीन सत्र भी रहा गाजियाबाद के लिए सबसे विचित्र

क्या किसी विधायक ने नहीं उठाया यहां का कोई मैटर और ना ही बाहर आया कोई लैटर

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शीतकालीन सत्र शुरू हुआ और लखनऊ में विधायकों ने 18 दिसम्बर की रात को ही डेरा डाल लिया। 19 दिसम्बर से लखनऊ में विधानसभा का सत्र शुरू हुआ और यहां उत्तर प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा का विधायक पहुंचा। सभी की आवाज सदन में गूंजी और सभी ने अपने अपने क्षेत्र के मुददे रखे।

सभी अपने मुददे रख रहे थे और यहां पर हैरानी वाली बात ये थी कि विधानपरिषद में तो गाजियाबाद की आवाज गूंज रही थी लेकिन विधानसभा में ऐसा लग रहा था कि गाजियाबाद में कोई समस्या ही नहीं है। एमएलसी दिनेश गोयल ने खोड़ा के पेयजल का मुददा उठा दिया। बंद अस्पतालों के निरीक्षण का मामला उठाया। मगर इंतजार होता रहा कि विधायक भी मुददा उठायेंगे। उनके भी वीडियो और फोटो बाहर आयेंगे। पत्रों से पता चलेगा कि शीतकालीन सत्र में विधायक ने हमारे क्षेत्र का क्या मुददा उठाया है, लेकिन 19 दिसम्बर से चलकर 24 दिसम्बर को विधानसभा का सत्र समाप्त भी हो गया। शीतकालीन सत्र की सबसे विचित्र बात ये रही कि सवाल पूछने वाले किसी भी चित्र में गाजियाबाद क्षेत्र के विधायक नजर ही नहीं आये।

शहर विधायक संजीव शर्मा से उम्मीद थी कि वो शीतकालीन सत्र में शहर की समस्या का मुददा उठायेंगे, हाउस टैक्स के मुददे पर सरकार का ध्यान आकृष्ट करेंगे। लेकिन संजीव शर्मा ने भी शीत कालीन सत्र में कोई सवाल अपनी विधानसभा को लेकर नहीं रखा। कैबिनेट मंत्री सुनीश शर्मा देश की सबसे बड़ी विधानसभा के विधायक हैं, वो सरकार में मंत्री हैं मगर उन्होंने भी इतनी बड़ी विधानसभा से जुड़े किसी भी मुददे को नहीं रखा। संजीव शर्मा ने हाउस टैक्स को लेकर नहीं पूछा। शहरवासियों की बात को नही रखा।

कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने सबसे बड़ी विधानसभा को लेकर कोई सवाल नहीं रखा। उन्होंनें अस्पताल का मुददा नहीं उठाया, उन्होंने डिग्री कॉलेज का मुददा नहीं उठाया और इतनी बड़ी विधानसभा में कोई मुददा उठा ही नहीं। मुरादनगर विधायक अजितपाल त्यागी ने मुरादनगर को लेकर कोई सवाल जवाब नहीं किया। उनका कोई पूरक अनुपूरक सवाल किसी ने नहीं सुना और ना देखा। लोनी विधायक नंदकिशोर गुजर का क्रान्तिकारी स्वर विधानसभा में सुनाई नहीं दिया। वो भी पूरे सत्र के दौरान सदन में बैठकर सुनते रहे। और उन्हें सुनने की इच्छा रखने वालों को निराशा हाथ लगी।

मोदीनगर की विधायक डा. मंजू सिवाच भी साईलेंट मोड पर रहीं। धौलाना विधायक धर्मेश तोमर ने भी कोई मांग नहीं रखी। बड़ी विचित्र स्थिति रही कि शीतकालीन सत्र में गाजियाबाद की हर विधानसभा में माहौल एकदम शीत रहा। विधायकों ने कोई सवाल यहां उठाया ही नहीं। जबकि ये उम्मीद थी कि वो कई गुणा बढ़ चुके हाउस टैक्स का मामला पार्षदों की ओर से विधानसभा में रख देंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कई अन्य मुददे थे जिन पर बात हो सकती थी लेकिन नहीं हुई। सबसे बड़ी बात ये है कि विधायकों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात वाला कोई फोटो नहीं डाला। जनता इंतजार करती रही लेकिन ना सवाल, ना जवाब और ना ही कोई फोटो आया। जिस शहर की हवा पॉल्यूशन में पूरे देश में नम्बर वन आई है। उस पॉल्यूशन के सोल्यूशन को लेकर किसी विधायक ने कोई सवाल नहीं किया, यातायात को लेकर कोई सवाल नहीं किया और भगवागढ़ के सवालों के बिना ही ये सत्र पूरा हो गया।

गाजियाबाद में नए मतदाताओं के लिए बड़ी सूचना

1 जनवरी 2026 तक 18 वर्ष पूरे करने वाले युवा कराएं नाम दर्ज

आवश्यक दस्तावेज (इनमें से कोई एक)

करंट क्राइम। मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए केंद्र/राज्य सरकार या सार्वजनिक उपक्रम द्वारा जारी पहचान पत्र, 01 जुलाई 1987 से पहले जारी कोई सरकारी पहचान पत्र, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय का शैक्षिक प्रमाण पत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र, ओबीसी/एससी/एसटी या जाति प्रमाण पत्र, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (जहां लागू हो), परिवार रजिस्टर, भूमि/मकान आवंटन प्रमाण पत्र में से किसी एक दस्तावेज की आवश्यकता होगी।

गाजियाबाद करंट क्राइम। जिला निर्वाचन अधिकारी, गाजियाबाद द्वारा जारी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार जनपद गाजियाबाद में नए मतदाताओं के पंजीकरण को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी जारी की गई है। ऐसे सभी युवा जो 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं या कर रहे हैं और जिनका नाम अभी

तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, वे अब निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करा सकते हैं।

प्रेस विज्ञप्ति में स्पष्ट किया गया है कि वे मतदाता जिनका नाम 2025 की मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, या जो पता परिवर्तन के कारण अपना गणना प्रपत्र भरने से वंचित रह गए थे, उन्हें फॉर्म-6 भरकर अनिवार्य रूप से आवेदन करना होगा।

ऑनलाइन आवेदन की सुविधा

गाजियाबाद के नागरिक VOTER Helpline App के माध्यम से या voters.eci.gov.in पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा फॉर्म-6 और घोषणा पत्र को भरकर संबंधित बीएलओ (Booth Level Officer) को भी उपलब्ध कराया जा सकता है।

पूर्व एम्स प्रोफेसर डॉ. राजिंदर कुमार यशोदा मेडिसिटी में बने न्यूरोसर्जरी के प्रिंसिपल डायरेक्टर व यूनिट हेड

गाजियाबाद करंट क्राइम। दिल्ली-एनसीआर के अग्रणी अस्पतालों में शामिल यशोदा मेडिसिटी ने न्यूरोसर्जरी सेवाओं को और सशक्त करते हुए पूर्व एम्स प्रोफेसर एवं वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डॉ. राजिंदर कुमार को यशोदा इंस्टिट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंसेज में न्यूरोसर्जरी विभाग का प्रिंसिपल डायरेक्टर और यूनिट हेड नियुक्त किया है।

25 वर्षों से अधिक के अनुभव वाले डॉ. राजिंदर कुमार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिप्राप्त न्यूरोसर्जन हैं। अब तक वे 7,000 से अधिक क्रैनियल एवं स्पाइनल सर्जरी सफलतापूर्वक कर चुके हैं। उन्होंने दो दशकों से अधिक समय तक एम्स, नई दिल्ली में सेवाएं देते हुए न्यूरोसर्जरी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया।

डॉ. राजिंदर कुमार का अनुभव और नेतृत्व हमारे न्यूरोसर्जरी विभाग को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा: डॉ. पीएन अरोड़ा

करंट क्राइम। डॉ. पी.एन. अरोड़ा, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, यशोदा मेडिसिटी ने कहा, डॉ. राजिंदर कुमार का अनुभव और नेतृत्व हमारे न्यूरोसर्जरी विभाग को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। इससे मरीजों को विश्वस्तरीय उपचार और बेहतर परिणाम मिलेंगे। वहीं, प्रोफेसर डॉ. राजिंदर कुमार ने कहा, यशोदा मेडिसिटी से जुड़कर मरीज-केंद्रित और तकनीक-आधारित न्यूरोसर्जिकल देखभाल का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। मेरा प्रयास रहेगा कि सर्जरी की गुणवत्ता और मरीजों के परिणाम लगातार बेहतर हों।

अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण और व्यापक विशेषज्ञता

करंट क्राइम। डॉ. कुमार ने एम्स, नई दिल्ली से पोस्टग्रेजुएशन किया है तथा वे यूनिवर्सिटी ऑफ आयोवा (यूएसए) के फेलो रह चुके हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने एम्स्टर्डम स्थित एएमसी यूनिवर्सिटी में फंक्शनल न्यूरोसर्जरी, अमेरिका में गामा नाइफ रेडियोसर्जरी तथा यूरोप व अमेरिका में स्कल बेस एंडोस्कोपी में उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

उनकी विशेषज्ञता फंक्शनल, वास्कुलर, स्कल बेस, एंडोस्कोपिक, स्पाइन और न्यूनतम इनवेसिव न्यूरोसर्जरी जैसी जटिल प्रक्रियाओं तक विस्तृत है।

शोध और नवाचार में भी सशक्त योगदान

करंट क्राइम। अकादमिक जगत में भी डॉ. कुमार का योगदान उल्लेखनीय रहा है। न्यूरो-ऑन्कोलॉजी, बाल रोग न्यूरोसर्जरी, फंक्शनल एवं एंडोस्कोपिक न्यूरोसर्जरी विषयों पर उनके अनेक शोध पत्र राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशित हो चुके हैं। साथ ही उन्होंने नई शल्य तकनीकों और उपकरणों के विकास में भी सक्रिय भूमिका निभाई है।

डॉ. राजिंदर कुमार की इस नियुक्ति के साथ यशोदा मेडिसिटी ने अत्याधुनिक, तकनीक-संचालित और विश्वस्तरीय न्यूरोसर्जिकल सेवाएं प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है।

आर्थिक सुधारों की रफ्तार और तेज होगी

टैक्स राहत से ईज ऑफ लिविंग तक बड़ा बदलाव: पीएम मोदी

संकेत देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को साफ कर दिया कि सरकार के सुधारों का सिलसिला थमने वाला नहीं है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आने वाले समय में सुधारों की यह प्रक्रिया और भी अधिक जोश और ताकत के साथ जारी रहेगी। सरकार का मुख्य फोकस 'ईज ऑफ लिविंग' यानी आम जनता के जीवन को आसान बनाने पर है।

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने कहा है कि भविष्य में आर्थिक सुधारों की रफ्तार और तेज की जाएगी। उन्होंने कहा कि 12 लाख तक की आय टैक्स फ्री करने और एमएसएमई क्षेत्र के लिए किए गए एलानों से बड़े पैमाने पर लोगों को लाभ मिला है। पीएम ने इस दौरान ईज ऑफ लिविंग की भी चर्चा की। भारत के आर्थिक परिदृश्य में बड़े बदलावों के

शुक्रवार को केंद्र सरकार की ओर से साझा की गई सुधारों की उपलब्धियों पर प्रतिक्रिया देते हुए पीएम मोदी ने यह बात कही। यह बयान ऐसे समय में आया है जब सरकार टैक्स, लेबर और कॉर्पोरेट कानूनों में बड़े बदलावों को लागू कर चुकी है।

जीएसटी सुधार और रिकॉर्ड तोड़ बिक्री

सरकार ने अपनी रिपोर्ट में जीएसटी को और सरल बनाने का दावा किया है। टैक्स स्लैब में सुधार और ऑटोमेटेड रिफंड प्रक्रिया ने 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा दिया है। इसका सीधा असर बाजार में भी दिख रहा है। सुधरती अर्थव्यवस्था का प्रमाण दिवाली के दौरान 6.05 ट्रिलियन रुपये की रिकॉर्ड बिक्री है। इस बार नवरात्रि के दौरान पिछले एक दशक में सबसे मजबूत खरीदारी दिखी।

ग्रामीण भारत और बुनियादी ढांचा

सुधारों का दायरा केवल शहरों तक सीमित नहीं है। ग्रामीण रोजगार अब केवल मजदूरी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्थायी संपत्ति बनाने पर केंद्रित है। गांव के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण आजीविका बेहतर हो रही है। प्रधानमंत्री का यह संदेश स्पष्ट करता है कि सरकार का जोर जटिलताओं को खत्म कर परिणामों पर है। आने वाले दिनों में विवाद समाधान को और तेज करने और कानूनों को गैर-आपराधिक बनाने की दिशा में और बड़े कदम उठाए जा सकते हैं।

मिडिल क्लास को बड़ी राहत : सरकार की ओर से जारी आंकड़ों और प्रधानमंत्री के वक्तव्य से साफ है कि 'इनकम टैक्स एक्ट 2025' का सबसे बड़ा लाभार्थी मध्यम वर्ग है। अब 12 लाख रुपये तक की सालाना आय पर कोई टैक्स नहीं लगता है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि मध्यम वर्ग के परिवारों के हाथ में खर्च और निवेश के लिए अधिक पैसा बच रहा है। इससे अर्थव्यवस्था में खपत बढ़ रही है। नए टैक्स कानून ने कर प्रणाली को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाया है, जिससे करदाताओं को कानूनी पचड़ों से मुक्ति मिली है।

छोटे उद्योगों के लिए खुली राहें : सरकार की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि व्यापारिक जगत के बारे में कहा गया कि छोटे व्यवसायों को अब लाभ खोने के डर के बिना आगे बढ़ने की आजादी है। नई छोटी कंपनियों की परिभाषा का विस्तार किया गया है। अब 100 करोड़ रुपये तक के टर्नओवर वाले उद्यमों पर अनुपालन का बोझ कम कर दिया गया है। इससे टरटए२ को अपना विस्तार करने, नई भर्तियां करने और लोकल एंटरप्राइजेज को ग्लोबल बनाने में मदद मिल रही है।

श्रम कानूनों में ऐतिहासिक बदलाव : कारोबारी धारणा (बिजनेस सेंटिमेंट) को सुधारने की दिशा में सरकार ने पुराने और जटिल कानूनों को खत्म किया है। 29 अलग-अलग श्रम कानूनों को मिलाकर अब केवल 4 लेबर कोड बनाए गए हैं।

इससे न केवल कंपनियों के लिए नियम मानना आसान हुआ है, बल्कि श्रमिकों के अधिकारों और महिलाओं के लिए मातृत्व सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया गया है।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों हमलों पर भारत की सख्त चिंता

तारिक रहमान की वापसी पर भी पहली प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। भारत ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो हमलों पर गंभीर चिंता जताई है। इसके साथ ही बीएनपी नेता तारिक रहमान की घर वापसी पर पहली प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों का भारत समर्थन करता है; इसको इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमले पर कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और बौद्धों सहित अल्पसंख्यकों के खिलाफ जारी शत्रुता गंभीर चिंता का विषय है इसके साथ ही विदेश मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेश में हो रहे घटनाक्रमों पर भारत की पैनी नजर है।

वहीं बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता तारिक रहमान की स्वदेश वापसी पर भारत की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। विदेश मंत्रालय ने रहमान की वापसी पर कहा है कि भारत बांग्लादेश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों का समर्थन करता है; इस घटनाक्रम को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

कौन हैं तारिक रहमान: वे पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान के बेटे हैं। 2008 से लंदन में रह रहे थे और वहीं से बीएनपी का नेतृत्व कर रहे थे। उन पर भ्रष्टाचार और 2004 के ढाका ग्रेनेड हमले जैसे मामलों में सजा सुनाई गई थी। बीएनपी का कहना है कि ये मामले राजनीतिक बदले की कार्रवाई थे। तारिक रहमान की वापसी बीएनपी के लिए नई ऊर्जा है, लेकिन चुनौती बड़ी है, पार्टी को एकजुट रखना, युवाओं का भरोसा जीतना, हिंसा और अस्थिरता से जूझ रहे देश को स्थिर दिशा देना।

इस समय बांग्लादेश राजनीतिक और सामाजिक संकट से गुजर रहा है। फरवरी में होने वाले चुनाव से पहले हालात तनावपूर्ण हैं। अवामी लीग, जिसे भारत के करीब माना जाता है, चुनाव नहीं लड़ रही है। अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के दौर में भारत से दूरी और पाकिस्तान से नजदीकी बढ़ने के संकेत मिले हैं।

कट्टरपंथी संगठन जमात-ए-इस्लामी फिर से सक्रिय हुआ है, जिसे भारत पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़ा मानता है। ऐसे में भारत को लगता है कि बीएनपी अपेक्षाकृत उदार और लोकतांत्रिक विकल्प हो सकती है, भले ही अतीत में भारत-बांग्लादेश संबंधों में खटास रही हो।

पुतला दहन कर जताया विरोध

गाजियाबाद करंट क्राइम। विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा/परमार्थ सेवा ट्रस्ट द्वारा शुक्रवार को खून का बदला खून व आग का बदला आग के संदेश के साथ बांग्लादेश सरकार के प्रधान सलाहकार डॉ मोहम्मद यूनुस का पुतला फूंका गया।

नवयुग मार्केट शहीद स्थल पर बडी संख्या में लोगों की मौजूदगी में यूनुस का पुतला क्रेन से लटका कर आग के हवाले किया गया। वरिष्ठ समाजसेवी एवं परमार्थ सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन वी के अग्रवाल ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि बांग्लादेश को ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाए और पाकिस्तान की तरह ही उसके खिलाफ भी ऑपरेशन सिंदूर जैसा अभियान चलाया जाए। इस अवसर पर सुनील गुप्ता, पूर्व पार्षद अशोक मित्तल, राजेश सिंघल, मनोज शर्मा, सुरेंद्र पाल त्यागी, छोटेलाल कनौजिया, देवेंद्र हितकारी, मिलन मंडल, मनोज शर्मा, मोहित गुप्ता, अरविंद गुप्ता, अरुण कुमार भूलन, सुबोध शर्मा, अनुराग गर्ग, राजीव शर्मा, हेमंत कंसल, राजकुमार गर्ग, प्रदीप गुप्ता, लोकेश सिंगल आदि मौजूद थे।

एचआरआईटी विश्वविद्यालय में फ्रेशर पार्टी का आयोजन

गाजियाबाद करंट क्राइम। एचआरआईटी विश्वविद्यालय में 23 दिसंबर को नवागंतुक छात्र-छात्राओं के स्वागत के लिए फ्रेशर पार्टी आरोहण-2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक व सांस्कृतिक वातावरण से परिचित कराना रहा।

कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुई। इस अवसर पर कुलाधिपति डॉ. अनिल अग्रवाल, प्रति कुलाधिपति डॉ. अंजुल अग्रवाल, कुलपति डॉ. डी.के. शर्मा, रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार तथा डीन एफओएमएससी डॉ. निर्दोष अग्रवाल उपस्थित रहे। कुलपति डॉ. डी.के. शर्मा ने विद्यार्थियों को शैक्षणिक गतिविधियों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी भागीदारी के लिए प्रेरित किया, वहीं कुलाधिपति डॉ. अनिल अग्रवाल ने नए विद्यार्थियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा नृत्य, गीत-संगीत सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें भारतीय और पश्चिमी दोनों शैलियों की झलक देखने को मिली। समापन अवसर पर विभिन्न पाठ्यक्रमों से मिस्टर एवं मिस डायनामिक डुओ का चयन किया गया।

बीबीए से जस्सी-कृष, बीकॉम से सुभांशु-सृष्टि, एमबीए से सोहम-माही, बीए एलएलबी से पूर्णिमा-प्रणव, बीबीए एविएशन से उज्जवल-छवी, बीफार्मा से अर्पण-कशिश, बीपीटी से हनी-अंकुर, लाइफ साइंसेज से सर्वज्ञ-अंशिका, डीफार्मा से आदिल-कृतिका तथा पॉलिटेक्निक से गौरव चयनित हुए।

इसके अलावा बीएससी बायोटेक्नोलॉजी की अंशिका को मिस फ्रेशर और बीसीए के अर्जुन को मिस्टर फ्रेशर घोषित किया गया। आयोजन का उद्देश्य नए छात्रों के बीच आपसी परिचय, सहभागिता और सकारात्मक माहौल को बढ़ावा देना रहा।

परिवर्तन क्लब की सीएसआर पहल: आई.टी.एस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के छात्रों ने साहिबाबाद में गरीब बच्चों संग मनाया क्रिसमस

गाजियाबाद करंट क्राइम। आई.टी.एस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, गाजियाबाद की एक सीएसआर पहल के तौर पर परिवर्तन क्लब ने 25 दिसंबर, 2025 को गाजियाबाद के साहिबाबाद इलाके में गरीब बच्चों के साथ क्रिसमस मनाया।

जैसे-जैसे सर्दी बढ़ रही है और दिन ठंडे हो रहे हैं, यह एक और साल के खत्म होने का जश्न मनाने का समय था। यह परिवर्तन क्लब के सदस्य-छात्रों द्वारा क्रिसमस मनाने का समय था। पीजीडीएम (2024-26 बैच) के छात्रों अजितेश, स्वप्निल, ईशा, यशी, श्वेता और शिखा ने क्रिसमस का दिन कहानी सुनाने जिसमें जीसस के जन्म की कहानी शामिल थी और कैरल गाना और सांता के साथ डांस करके मनाया। जश्न की शुरूआत स्वप्निल और ईशा ने बच्चों को क्रिसमस के महत्व के बारे में बताकर की। बच्चों से त्योहार मनाने का कारण पूछा गया। इसे जीसस क्राइस्ट के जन्म का जश्न मनाने का अवसर बताया गया। छात्रों ने बच्चों के बीच कैंडी, कपकेक, चिप्स, चॉकलेट और बिस्कुट भी बांटे। आई. टी. एस. - द एजुकेशन ग्रुप के अध्यक्ष डॉ आर.पी. चड्ढा तथा उपाध्यक्ष अर्पित चड्ढा ने छात्रों द्वारा समाज के निम्न वर्गों के उत्थान के लिए किये जा रहे प्रयासों की प्रशंसा करते हुए उन्हें बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर आई. टी. एस. स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के निर्देशक डॉ अजय कुमार ने भी छात्रों के प्रयासों सराहनीय कार्य बताते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की । छात्रों के साथ फैकल्टी कोऑर्डिनेटर प्रो. आशुतोष शर्मा भी उपस्थित रहे और उन्होंने उनका मार्गदर्शन किया।

दशमेश वाटिका में वीर बाल दिवस पर दूध का लंगर

साहिबाबाद करंट क्राइम। वीर बाल दिवस के अवसर पर गुरु गोबिंद सिंह के छोटे साहिबजादों के बलिदान की स्मृति में साहिबाबाद स्थित दशमेश वाटिका में संगत द्वारा दूध का लंगर आयोजित किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने साहिबजादों के बलिदान को नमन करते हुए श्रद्धां सुमन अर्पित किए। लंगर आयोजन में गुरप्रीत सिंह रम्मी, शरनजीत सिंह आनन्द, गगन सिंह अरोड़ा, जसविन्दर सिंह सन्नी, कंवलजीत सिंह सिक्का, मन्नी रियाड, अमृतपाल सिंह, कुलदीप सिंह, जोगेंद्र सिंह अरोड़ा, सरबजीत सिंह घई, गुरप्रीत सिंह, एस.पी. सिंह, राजेन्द्र सिंह, जसविन्दर सिंह और जगमोहन सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर उपस्थित संगत ने छोटे साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान को स्मरण करते हुए इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया। साथ ही वीर बाल दिवस घोषित किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

जरूरतमंदों को 600 कंबल किए वितरित

गाजियाबाद करंट क्राइम। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के मेरठ मंडल प्रभारी एवं जिला अध्यक्ष संदीप बंसल के मुख्य कार्यालय 50 नया गंज पर डीसीपी नगर सिटी जोन आई पी एस धवल जायसवाल एवं जिलाध्यक्ष संदीप बंसल के द्वारा कड़कती सर्दी में गर्म कंबल निर्धन असहाय, गरीबों को 600 कंबल वितरण किया गया कंबल वितरण सहयोग करने में व्यापार मंडल के समस्त पदाधिकारियों ने कंबल वितरण करने में अपना सहयोग दिया इस अवसर पर संदीप बंसल, संजय बिंदल, दीपक गर्ग, अनमोल बंसल प्रेम प्रकाश चीनी, हर्ष बंसल, चेतन शर्मा, राजेश बंसल, अमन सिसोदिया, दुष्यन्त गुप्ता, विनोद अग्रवाल, संजय गुप्ता, अरुण मित्तल, अनिल गर्ग, मोहित गुप्ता, राजेंद्र कुमार, श्रीपाल यादव, राकेश अग्रवाल, सोनू सैनी, महेंद्र गौतम, मुकेश प्रजापति, मूलचंद गर्ग, अनिल गुप्ता, नितिन मित्तल, राजीव सोनी, अरुण गुप्ता, पारस सचदेवा, प्रदीप कंसल मोहित कंसल संजीव अरोड़ा, तरुण शर्मा, आदि अनेक व्यापारी उपस्थित थे

वोट बनवाने के लिए फॉर्म 6 पर काम कर रहे: डॉ अनिल तोमर

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। इंदिरापुरम वार्ड 98 के पार्षद डॉ अनिल तोमर ने वोट बनवाने के लिए फॉर्म 6 पर कार्यकताओं के साथ तेजी से कार्य शुरू कर दिया है। वह अपने कार्यालय में सुबह से ही लोगों के फॉर्म 6 भर रहे हैं और नई वोट बनवाने का काम भी कर रहे हैं।

पार्षद डॉ अनिल तोमर ने बताया कि वह भाजपा का कार्य करते हैं और भाजपा के लिए ही समर्पित हैं। जो भी काम करते हैं, श्रद्धापूर्वक करते हैं। उनका कहना है कि वह अपने क्षेत्र के लोगों की सेवा करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं । उन्होंने बताया कि जिस तरह एसआईआर पर वार्ड 98 में काम किया है उससे ज्यादा फॉर्म 6 पर काम हो रहा है। इस दौरान डॉ लीना तोमर, पिंटू तोमर कुलदीप तोमर, प्रदीप गुप्ता, प्रदीप सोलंकी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यूपी में ठंड-कोहरे का कहर, 22 जिलों में रेड अलर्ट, मेरठ में सबसे सर्द रात

इन जिलों में है घने कोहरे का रेड अलर्ट

देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच तखीमपुर खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, अयोध्या अंबेडकर नगर, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, सीतापुर, बाराबंकी, अयोध्या, अंबेडकर नगर।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में ठंड और घने कोहरे का प्रकोप जारी है। 22 जिलों में घने कोहरे का रेड अलर्ट जारी किया गया है। मेरठ में 5.8 डिग्री के साथ सबसे ठंडी रात रही। कई शहरों में दृश्यता शून्य होने से जनजीवन और यातायात प्रभावित हुआ है।

उत्तर प्रदेश में ठंड और कोहरे का कहर जारी है। चुभती ठंड और ठिठुराने वाली पछुआ हवाओं से प्रदेश के तराई और पूर्वांचल के इलाकों में जनजीवन और यातायात दोनों प्रभावित है।शुक्रवार को सुबह कोहरे की मोटी चादर की वजह से राजधानी लखनऊ समेत प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, कुशीनगर, सहारनपुर, बलिया, मुरादाबाद, अलीगढ़ जैसे कई शहरों में दृश्यता शून्य हो गई। वहीं गलन भरी पछुआ हवाओं से पूर्वांचल और तराई के ज्यादातर इलाकों में दिन के तापमान भारी गिरावट आई और शीत दिवस के हालात रहे।

15 जिलों में शीत दिवस की संभावना : वहीं, रात में भी कई शहरों में तापमान में बड़ी गिरावट आई और 5.8 डिग्री न्यूनतम तापमान के साथ मेरठ में सबसे ठंडी रात रही। मौसम विभाग ने शनिवार के लिए प्रदेश के 22 जिलों में घने कोहरे का रेड अलर्ट जारी किया है यानी इन इलाकों में घने कोहरे से दृश्यता शून्य तक जा सकती है।

वहीं 15 जिलों में अत्यंत शीत दिवस होने की संभावना जताई है।आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में अगले चार दिनों तक ठंड और कोहरे का असर कमोबेश इसी तरह जारी रहने वाला है।

पहाड़ों पर हुई बर्फबारी और वहां से आ रही पछुआ हवाओं के असर से उत्तर प्रदेश में भी ठंड में इजाफा हुआ है। उन्होंने बताया कि इस बीच दिन के तापमान में तो कोई भारी परिवर्तन नहीं आएगा लेकिन रात के पारे में क्रमशः गिरावट आएगी।

करेली में महिला की गोली मारकर हत्या

पारिवारिक विवाद में दामाद ने सिर में मारी गोली

प्रयागराज। पारिवारिक विवाद में दामाद ने सास की गोली मारकर हत्या कर दी। महिला के सिर में गोली मारी गई है। घटना के बाद आरोपी दामाद फरार हो गया है। मौके पर पुलिस पहुंच गई है। परिवार के सदस्यों से पूछताछ की जा रही है।

शहर के करेली इलाके में एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली मारने का आरोप उसके दामाद पर लगा है। आरोप है कि पारिवारिक विवाद के चलते दामाद ने घटना को अंजाम दिया है। शुक्रवार को विवाद के बाद वह सास को घसीटते हुए घर के बाहर सड़क पर ले आया और उसके सिर में गोली मार दी। घटना के बाद इलाके में खलबली मच गई। सूचना के बाद मौके पर पुलिस पहुंच गई है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया है। पुलिस परिवार के सदस्यों से पूछताछ कर रही है। घटना करेली में काली मंदिर के पास की बताई जा रही है। महिला का नाम आर्शिया खातून (55) है।

रेवाड़ी में 35 हजार की रिश्वत लेते हुए बीडीपीओ गिरफ्तार

नूंह जिले की एसीबी की टीम ने रंगे हाथ पकड़ा

रेवाड़ी। नूंह जिले की एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने रेवाड़ी में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। टीम ने बीडीपीओ सौरव उपाध्याय को 35 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंग हाथ गिरफ्तार किया है।

नूंह जिले की एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने रेवाड़ी ब्लाक विकास एवं पंचायत कार्यालय में रेड कर बीडीपीओ सौरव उपाध्याय को 35 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंग हाथ गिरफ्तार किया है। बीडीपीओ ने रिश्वत की रकम किसी और से नहीं, बल्कि रेवाड़ी ब्लाक समिति की चेयरपर्सन ममता यादव के पति रविंद्र खोला से मांगी थी, जिसके बाद एसीबी की टीम ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

दरअसल, रेवाड़ी ब्लाक पंचायत एवं विकास अधिकारी सौरव उपाध्याय ने किसी मामले में रविंद्र खोला से 35 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। रविंद्र खोला ने इसकी शिकायत एसीबी की टीम को दे दी। एसीबी की टीम शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे खोला को लेकर गढ़ी बोलनी रोड स्थित बीडीपीओ कार्यालय में पहुंचे।

बीडीपीओ सौरव उपाध्याय अपने कार्यालय में बैठे हुए थे। जैसे ही रविंद्र खोला ने उन्हें रिश्वत की रकम 35 हजार रुपये दिए, तुरंत एसीबी की टीम ने रेड कर बीडीपीओ को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। हालांकि अभी यह साफ नहीं हो पाया कि है रविंद्र खोला से बीडीपीओ ने किस कार्य की एवज में रिश्वत मांगी थी। एसीबी की टीम कार्रवाई में जुटी है।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की याद में गोष्ठी आयोजित

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। ज्ञानपीठ केन्द्र 1, स्वरुप पार्क जीटी रोड साहिबाबाद के प्रांगण में लोक शिक्षण अभियान ट्रस्ट द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की याद में उनके व्यक्तित और कृतित्व को प्रचारितझप्रसारित करने के लिए ह्णभारत में आर्थिक विषमता और निदानह्ण गोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया गया।

गोष्ठी में शामिल सभी साथियों ने डॉ मनमोहन सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी, तथा उनके सम्मान में गगन-भेदी नारे लगा, भारत को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में उनके कार्यों की सराहना की।

शिक्षाविद राम दुलार यादव ने कहा कि डॉ मनमोहन सिंह कैम्ब्रिज और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त कर दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनामिक्स और पंजाब विश्वविद्यालय में अध्यापन किया। उन्होंने वित्तमंत्री के रूप में ऐतिहासिक उदारीकरण की शुरूवात कर देश की आर्थिक दशा को नई दिशा दी।

उन्होंने कहा कि आज राजनीति की दिशा ऐसी बदली की संसद में विपक्ष के सवालों को येनकेन प्रकारणेन दबाया जा रहा है, या कार्यवाही से निकाल दिया जाता है, यह लोकतंत्र और संविधान की आत्मा को हताहत करने जैसा है।

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...

करंट क्राइम ट्वीट का करंट

Ashu Kumar Verma
1h ·

इस्लामी आतंकवाद के डर से कई ईसाई देश नए साल के कार्यक्रम स्थगित कर रहे हैं

फ्रांस, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया में कई स्थानों पर नहीं होंगे नव वर्ष के बड़े कार्यक्रम ।

हाउस टैक्स की गूंज से गूंजेगा बोर्ड बैठक में नगर निगम का सदन

15 जनवरी को हाईकोर्ट के सुनवाई पर फैसले का इंतजार कर रहे हैं नयन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नगर निगम की कार्यकारिणी का चुनाव हो चुका है और नये कार्यकारिणी उपाध्यक्ष भी आ गये हैं। लोकसभा और विधानसभा का शीतकालीन सत्र भी सम्पन्न हो चुका है। ऐसे में अब नगर निगम की बोर्ड बैठक कब होगी इसको लेकर नगर निगम के 100 पार्षदों सहित अन्य जनप्रतिनिधियों को भी इंतजार है। दरअसर पार्षद तो नगर निगम बोर्ड बैठक का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पार्षद अपने अपने मुददे रखेंगे और यहां पर जो अनुमान लगाया जा रहा है वो संभावित घमासान हाउस टैक्स मैटर का रहेगा।

दरअसल 30 जून को बोर्ड की बैठक हुई थी और उस बैठक में पार्षदों ने हाउस टैक्स में हुई वृद्धि का विरोध किया था। विरोध के बाद हाउस टैक्स वृद्धि के प्रस्ताव को निरस्त करने का प्रस्ताव सदन में लाया गया। सदन में ये प्रस्ताव सर्वसम्मिति से पारित हुआ और फिर इसके बाद नगर निगम सदन की मुखिया मेयर सुनिता दयाल ने हाउस टैक्स वृद्धि के प्रस्ताव को निरस्त करने की घोषणा की।

ये घोषणा इसलिए भी महत्वपूर्ण थी कि ये घोषणा नगर निगम के सदन में हुई। जब मेयर ने ये घोषणा की तो सदन में सभी पार्षद मौजूद थे। सदन के अंदर सदन के पदेन सदस्यों के रूप में विधायक मौजूद थे। लेकिन इस कहानी में मोड़ तब आ गया जब घोषणा के बावजूद लोगों के पास लगातार निगम प्रशासन के ये मैसेज पहुंचे कि वो अपना टैक्स जमा करा दें। ईधर मेयर ने कहा कि लोग बढ़ा हुआ टैक्स ना जमा करायं।

उधर निगम प्रशासन ने मैसेज भेजे कि 20 प्रतिशत की छूट के साथ टैक्स जमा करा दें। वहीं सदन की इस कहानी में तीसरा मोड़ तब आ गया जब भाजपा के ही तीन पूर्व पार्षद हाउस टैक्स वृद्धि के विरोध में हाई कोर्ट चले गये। हाई कोर्ट ने पूर्व पार्षदों की रिट याचिका स्वीकार कर ली। ईधर नगर निगम ने भी मुकदमा लड़ने की तैयारी की और उन्होंने 100 पेज का हलफनामा दाखिल कर दिया।

कहानी में अगला माड़ तब आया जब नगर निगम में भाजपा के पार्षदों सहित अन्य दलों के पार्षद भी 30 जून वाली बोर्ड बैठक के मिनट्स की मांग को लेकर धरने पर बैठ गये। नगर निगम में धरना था और धरने पर भाजपा के पार्षद बैठे थे।

भाजपा के पार्षदों को जूस पिलाकर उनका अनशन खत्म कराने ही भाजपा के विधायक संजीव शर्मा आये। कहानी यहीं पर खत्म नहीं हुई और फिर भाजपा के विधायक अपने साथ पार्षद पतियों को लेकर बस में बैठकर लखनऊ के लिए रवाना हो गये। अब इन सब के बाद जो रण होना है वो नगर निगम के बोर्ड बैठक में होना है। यहां दोनों ही पक्ष तैयारियों के साथ आयेंगे। ऐसे में ये माना जा रहा है कि नगर निगम की बोर्ड बैठक हाउस टैक्स वृद्धि के मुददे से गुंजायमान रहेगी।

संभावित तिथि 10 या 12 जनवरी बताई जा रही है। इसके पीछे ये तर्क दिया जा रहा है कि 15 जनवरी को हाई कोर्ट में हाउस टैक्स मामले की सुनवाई होनी है। बताया ये जा रहा है कि अब इस मामले में तारीखों का दौर ज्यादा नहीं चलेगा और हाईकोर्ट का फैसला आयेगा। ऐसे में फैसले से पहले ही बोर्ड बैठक की संभावना जताई जा रही है। निगम से सूत्र बताते हैं कि निगम की बोर्ड बैठक में पार्षद अपने अपने वार्ड में विकास का मुददा उठायेंगे।

यहां पार्षद दूसरे वार्ड के विकास का पर्चा रखेंगे और ये भी बतायेंगे कि हमारे प्रस्तावों के समय फंड की कमी बताई गयी। लेकिन हाउस टैक्स वृद्धि के विरोध में पहली बार ऐसा होगा कि भाजपा, कांग्रेस, सपा निर्दलीय सब एक साथ खड़े नजर आयेंगे। ये एक रोचक बैठक होने जा रही है।

प्रदेश अध्यक्ष के आगमन पर हो गयी स्वागत की भगवा तैयारी

कैबिनेट मंत्री और अध्यक्ष ने ली बैठक और सौंप दी पार्षदों को जिम्मेदारी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भगवागढ़ कहे जाने वाले गाजियाबाद की बात करें तो यहां स्वागत एक परम्परा है। गाजियाबाद के भाजपाईयों की ये सबसे बड़ी विशेषता है कि वो हमेशा अपनों की हर खुशी में शामिल होते हैं। बधाई शुभकामनायें देने में कभी नहीं चूकते। बात जब नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष के गाजियाबाद आने की हो तो फिर इसकी तो बड़ी तैयारी होनी ही है।

भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी पहली बार अध्यक्ष बनने के बाद गाजियाबाद आ रहे हैं। वो जब दिल्ली से गाजियाबाद की धरती पर कदम रखेंगे तो देश की सबसे बड़ी विधानसभा साहिबाबाद आयेगी। यूपी गेट पर उनका स्वागत होगा। प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत के लिए देवतुल्य कार्यकर्ताओं की एक बड़ी भीड़ मौजूद रहेगी, कदम कदम पर होर्डिंग लगेंगे और पूरा मार्ग भाजपामयी हो जायेगा। शुक्रवार कोप्रदेश अध्यक्ष के स्वागत की तैयारियों को लेकर एक बैठक भाजपा के महानगर कार्यालय पर आयोजित की गयी। इस बैठक में उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और साहिबाबाद विधायक सुनील शर्मा तथा भाजपा के महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक में कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार हुई और स्वागत को लेकर सभी पार्षदों को जिम्मेदारी दी गयी। बैठक में भाजपा के पार्षदों को स्वागत कार्यक्रम से जुड़ी जिम्मेदारियां दी गयीं। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी सबसे पहले साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र में आयेंगे। यहां उनका स्वागत होगा। एक तरीके से भाजपा के नेता यहीं पर अपनी ताकत का मुलाहिजा भी दिखायेंगे और संगठन के सामने भी संगठन के शक्तिप्रदर्शन का ये एक अवसर होगा। शुक्रवार को भाजपा महानगर कार्यालय पर आयोजित बैठक में पार्षदों की मौजूदगी रही। पार्षदों के साथ संगठन की ये बैठक थी और यहां पर सीधा सा संदेश ये था कि प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत में भीड़ दिखाई देनी चाहिए। यहां पर मुख्य बिंदू यही रहा। इस बैठक में कैबिनेट मंत्री की मौजूदगी इस बैठक को और अधिक गम्भीर स्वरूप दे रही थी। साहिबाबाद विधायक और उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा सियासत के बड़े खिलाड़ी हैं। संगठन से लेकर सदन का अनुभव है। सरकार में मंत्रालय संभालने का अनुभव है, वो बेहतर जानते हैं कि किस मौके पर क्या करना है।

वो जानते हैं कि प्रदेश अध्यक्ष जब पहली बार आयेंगे तो यहां पर अपनी छाप दिखाने का दूसरा मौका नहीं मिलेगा। लिहाजा फर्स्ट इंप्रेशन ईज द लास्ट इंप्रेशन वाले रूल पर काम करना होगा। स्वागत को लेकर पूरा फ्रेमवर्क तैयार हो गया। पार्षदों को टारगेट दे दिया गया है। सभी पार्षद पांच पांच होर्डिंग लगायेंगे और अपने साथ कम से कम 100 लोग लेकर आयेंगे। बैठक में साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र के एसआईआर प्रभारी देवेन्द्र गिरी औरपंकज भारद्वाज को भी दायित्व दिया गया। पांच होर्डिंग वाले फॉरमेट पर काम भी शुरू हो गया। होर्डिंग कहां लगेंगे ये रूट तय हो गया है। प्रत्येक पार्षद को अपने साथ 100 लोगों की भीड़ लानी है। पार्षदों को जिम्मेदारी दे दी गयी है। भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने स्वागत कार्यक्रम का पूरा रूट चार्ट तैयार कर लिया है। स्वागत क अलग अलग प्वाईट बनाये गये हैं।

महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ऐसे कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक आयोजित कराने का अनुभव रखते हैं। उनके नेतृत्व में जब तिरंगा यात्रा निकाली गयी थी तो इस यात्रा का इतना सुन्दर असर था कि प्रदेश संगठन ने अन्य क्षेत्रों में भी इसी आयोजन को रोल मॉडल मानते हुए इसी थीम पर तिरंगा यात्रा निकालने के निर्देश दिये थे। शुक्रवार को प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत की तैयारी को लेकर पूरी रूपरेखा तैयार हो गयी।

चर्चा... जल्द ही जिन्दल साहब की दावेदारी का बाहर आने वाला है पर्चा

भगवागढ़ के एमएलसी दावेदारों को मिलने जा रही है किस बड़े वैश्य चेहरे से सियासी टेंशन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में हक और लक दो अलग अलग चीजें हैं। यहां कई बार राजनीति सरप्राईज देती है, यहां चेहरे सरप्राईज देते हैं। खासतौर से भगवागढ़ में तो ये राजनीति की एक परिपाटी है।

सबसे बड़ी बात ये है कि सरप्राईज देने वाले चेहरों को जीत का प्राईज भी मिलता है। राजनीति सरप्राईज का ही गेम है और यहां कई चेहरे ऐसे हैं जो एक लम्बे समय से काम कर रहे हैं। लेकिन ये खुद के प्रामोशन में विश्वास नहीं रखते। ये वो चेहरे होते हैं जिनके सपोटर चाहते हैं कि वो दावेदारी भी करें और फिर पूरी उम्मीदों के साथ उम्मीदवारी का मौका भी मिले। राजनीति में कभी भी चेहरे बदलते हैं और राजनीति कभी भी करवट ले लेती है।

गाजियाबाद में एक दावेदारी एमएलसी चुनाव को लेकर चल रही है। यहां पर पॉलिटिकल सरप्राईज का आलम ये है कि कभी संगठन से सरप्राईज आता है तो कभी चेहरे सरप्राईज देते हैं। सरप्राईज की बात करें तो ये सिलसिला लोकसभा से शुरू होता है। 2024 के लोकसभा चुनाव में कमल वाले हाईकमान ने सबसे बड़ा सरप्राईज दिया ओर यहां उन्होंने सिटिंग सीट पर सांसद को महामहिम बना दिया। यहां पर विधायक ने बड़ा सरप्राईज दिया और शहर के विधायक पूरे जिले की लोकसभा के सांसद हो गये। उपचुनाव में संगठन वाले उम्मीदवार हो गये और फिर वो जीतकर लखनऊ वाली विधानसभा के लिए सवार हो गये। कुल मिलाकर सार ये है कि राजनीति अपने चेहरे बदल रही है। अब राजनीति में लम्बे ट्रैक से ज्यादा फेयर ट्रैक देखा जा रहा है। अगर सोशल सर्विस का ट्रैक फेयर है तो फिर उस चेहरे को पॉलिटिकल माईलेज के लिए कन्सीडर किया जा सकता है। एमएलसी चुनाव की बात करें तो यहां पर अभी मौजूदा चेहरे के रूप में एमएलसी दिनेश गोयल हैं। वो सीटिंग हैं लेकिन उनके सामने कई चेहरे टिकट मांग रहे हैं। जब से लोकसभा वाला परिवर्तन हुआ है तब से सीटिंग के सामने दावेदारी का सीन बढ़ गया है।

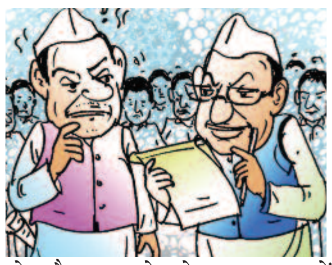

सूत्र बताते हैं कि दावेदारी के इस फ्रेम में एक ऐसा वैश्य चेहरा एंट्री करेगा जिनके अभी तक लोग एंटी नहीं हैं। ये चेहरा वैश्य समाज का प्रतिष्ठित चेहरा है। बड़ी बात ये है कि वैश्य चेहरे के रूप में जिन्दल साहब ने अपनी एक मजबूत पकड़ अपने व्यवहार के दम पर बनाई है। बेहद मिलनसार स्वभाव है और सामाजिक रूतबे की बात करें तो ये अपना एक अलग मुकाम रखते हैं। सूत्र बता रहे हैं कि जिन्दल साहब की संभावित दावेदारी कई वैश्य दावेदारों की धड़कनें बढ़ा सकती है। दरअसल राजनीति का जो ट्रैक चल रहा है और जो परिपाटी चल रही है वो यहां जिन्दल साहब को माईलेज देती दिखाई दे रही है। अब भाजपा की राजनीति में ऐसे वैश्य चेहरे संगठन द्वारा लाये गये हैं जिनका सामाजिक जीवन फेयर है। जो पार्टी के सदस्य हैं और जिन्हें इस बात की पूरी केयर है कि कहां पर चुप रहना है, कहां पर बोलना है।

वैश्य चेहरों में अब ये दावेदारी का एक नरा चैप्टर शुरू होने जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि समर्थकों को उनकी दावेदारी को लेकर उत्साह है। जिन्दल साहब अपना एक मजबूत सोशल प्रोफाईल रखते हैं। वो शिक्षाविद हैं और उनकी राजनीतिक विचारधारा पूरी तरह से भाजपाई है। वैश्य समाज के साथ साथ वो व्यापारी जगत के कल्याण की सोच लेकर चलते हैं। बिरादरी का सपोर्ट है और सूत्र बताते हैं कि नये चेहरे को बिरादरी की एक मजबूत लॉबी अन्दरखाने सपोट देने को तैयार है। नये चेहरे ने दस्तक दे दी है और अब उनका लक किस दिशा में जाता है ये देखने की बात है। राजनीति में जीत और हार से बड़ी चीज इस बात की देखी जाती है कि खिलाड़ी खेल को कितनी शिद्दत से खेलता है।

भाजपा ने पिछले एमएलसी चुनाव में नया प्रयोग किया था और वो शिक्षाविद दिनेश गोयल के रूप में कर चुकी है। वैश्य समाज का उम्मीदवार और शिक्षाविद ये दोनों ही गणित भाजपा के पक्ष में रहे और भाजपा ने पहली बार कोई सियासी चुनाव लड़ रहे वैश्य चेहरे को मैदान में लाकर अपनी रणनीति से चुनाव को जीता है। एक बार फिर वैश्य चेहरे की दावेदारी में एंट्री होने जा रही है।

सुना है जिन्दल साहब की एंट्री ने कई दावेदारों को टेंशन दे दी है। राम वाले कह रहे हैं कि वो एमएलसी दावेदारी के नये अवतार के रूप में सामने आकर जिन्दल संदेश देंगे। उनके आने से कई दावेदार बेचैन हैं। सूत्र बता रहे हैं कि जीतने के लिए वोट पार्टी के पास हैं और जिन्दल साहब को पूरी सर्पोट बड़े दरबारों से मिल रही है। जिन्दल साहब का व्यवहार काफी कुशल बताया जाता है और अगर उनकी दावेदारी पर हाईकमान ने गम्भीर होकर कन्सीडर कर लिया तो फिर जिन्दल साहब को विधानपरिषद का लीडर बनने से नहीं रोका जा सकता।

उपाध्यक्ष और पूर्व उपाध्यक्ष ने नये ईयर पर की है पार्षदों की केयर

उत्तराखण्ड के किस मंदिर में करवायेंगे पार्षदों को प्रभु दर्शन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। न्यू ईयर को हैप्पी बनाने के लिए नगर निगम कार्यकारिणी के उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी और पूर्व निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष राजीव शर्मा ने तैयारी की है। नव वर्ष पर पूरे हर्ष के साथ नये उपाध्यक्ष ने सभी को आमंत्रित कर लिय है। खास बात ये है कि इस नये सीन में जय और वीरू की जोड़ी तो है मगर पहलेवाला सीन नहीं है। 3 जनवरी को उत्तराखण्ड में निगम के कार्यकारिणी उपाध्यक्ष होंगे, पूर्व उपाध्यक्ष होंगे और उनके साथ 100 पार्षद होंगे। बोर्ड बैठक से पहले पार्षद एकता का नारा उत्तराखण्ड में गूंजेगा और निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष द्वारा इसकी सूचना भी अति महत्वपूर्ण सूचना के रूप में दी गयी है। 3 जनवरी को पार्षद पहुंचेगे और 4 जनवरी को वापस लौटेंगे। नव वर्ष पर उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी औरपूर्व निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष तथा पार्षद राजीव शर्मा द्वारा सभी पार्षदों को उत्तराखण्ड के सिद्धबली मंदिर में दर्शन पूजान का कार्यक्रम बनाया गया है।

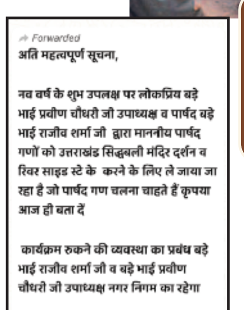

Forwarded
अति महत्वपूर्ण सूचना,

नव वर्ष के शुभ उपलक्ष पर लोकप्रिय बड़े भाई प्रवीण चौधरी जी उपाध्यक्ष व पार्षद बड़े भाई राजीव शर्मा जी द्वारा माननीय पार्षद गणों को उत्तराखंड सिद्धबली मंदिर दर्शन व रिवर साइड स्टे के करने के लिए ले जाया जा रहा है जो पार्षद गण चलना चाहते हैं कृपया आज ही बता दें

कार्यक्रम रुकने की व्यवस्था का प्रबंध बड़े भाई राजीव शर्मा जी व बड़े भाई प्रवीण चौधरी जी उपाध्यक्ष नगर निगम का रहेगा

कार्यक्रम 3 जनवरी 2026
रिटर्न 4 जनवरी 2026

पार्षदों को रिवर साईड स्टे के लिए भी ले जाया जा रहा है। इसकी सूचना दे दी गयी है और बता दिया गया है कि जो पार्षद चलना चाहते हैं वो बता दें। बड़ी बात ये है कि रूकने की व्यवस्था का प्रबंध भी राजीव शर्मा और प्रवीन चौधरी का रहेगा। अब देखना ये है कि सर्दी के मौसम में नदी किनारे मंदिर के भीतर क्या हाउस टैक्स पर भी चर्चा होगी। क्या पार्षद इस दौरान अपने मन की बात डिप्टी मेयर से भी शेयर करेंगे। लेकिन इन सबके साथ जो बड़ी बात है वो ये है कि पार्षद टोला की एकता का नारा यहां बुलंद होता दिखाई दे रहा है। डिप्टी मेयर और पूर्व डिप्टी मेयर ने केयर का ऐसा अंदाज हैप्पी न्यू इयर के जश्न में दिखाया है। पार्षद भी चलने के लिए तैयार हैं और नए साल पर कुछ नया ही बदलाव होने के भी क्या ये आसार हैं।

निगम कार्यकारणी उपाध्यक्ष ने ये पहल की है और इंतजाम का पूरा जिम्मा पूर्व निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष ने ले लिया है। जय वीरू की जोड़ी तो है मगर वो चेहरा कहीं से कहीं तक सीन में नहीं है जो होना चाहिए था। पार्षदों का ये टूर नए साल की कई योनाओं से भरूपर है। हिल स्टेशन पर नगर निगम के मुद्दों का अलाव भी जलेगा और जाहिर सी बात है कि यहां पर जब बातें चलेंगी तो फिर टूर से लौट कर आने के बाद कई दिन तक इसके चर्चे होंगे।

जिस विधानसभा में है शहर विधायक संजीव शर्मा का घर

उस विधानसभा में लगे होर्डिंग से आखिर उनका फोटो गया किधर

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति का एक अभिन्न हिस्सा होर्डिंग, पोस्टर, बैनर हैं। अगर पोस्टर में फोटो ही ना हो तो फिर राजनीति का मजा क्या है। सबसे बड़ी बात ये है कि अगर होर्डिंग में नेता ही ना दिखे तो फिर राजनीति किस काम की।

राजनीति में होर्डिंग का अपना रोल है। फोटो का साईज बड़ा हो या छोटा हो लेकिन सरप्राईज तो तब होता है जब किसी विधानसभा में लगे होर्डिंग से वहां के विधायक का फोटो ही गायब हो जाये। होर्डिंग में किसको कितना वेट देना है इसे फोटो के जरिये सेट कर लिया जाता है। किसी का फोटो बड़ा तो किसी का फोटो छोटा कर लिया जाता है।

कई बार बड़े चेहरों के साथ अन्य चेहरे भी बिंदी साईज में आ जाते हैं। इस बात को सियासत वाले हिन्दी में समझ सकते हैं कि होर्डिंग लगाने वाला क्या कहना चाहता है। यहां तक तो सब ठीक है मगर जिस विधानसभा में विधायक का घर हो और उसी विधानसभा में कोई विधायक को होर्डिंग से बाहर कर दे तो इसे क्या कहा जायेगा। लेकिन ऐसा हो गया है। और कमल वालों के गढ़ में ये कमाल शहर विधानसभा में हुआ है। हल्ले तो इस बात के हैं कि ये कमाल उस मौहल्ले में हुआ है जिसमें विधायक रहते हैं।

अब ये इंटेंशन है या भूलचूक है, लेकिन ये जो भी है ये चर्चा का विषय तो बन ही रहा है।

क्योंकि फोटो का मामला होर्डिंग में बहुत सोच समझकर होता है।

विधायक संजीव शर्मा विजय नगर में रहते हैं। और यहां पर एक होर्डिंग ऐसा भी है जिसमें विधायक का फोटो ही नहीं है। दरअसल वीर बाल दिवस पर आयोजित संगोष्ठी का फोटो है।

इस फोटो में प्रधानमंत्री हैं, मुख्यमंत्री हैं, डिप्टी सीएम हैं, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हैं, क्षेत्रीय अध्यक्ष हैं, लोकसभा सांसद हैं, भाजपा के महानगर अध्यक्ष भी हैं, लेकिन जिस विजयनगर में ये होर्डिंग लगा है उस विजयनगर में रहने वाले शहर विधायक संजीव शर्मा ही नहीं हैं।

अब ये इंटेंशन है या भूलचूक है, लेकिन ये जो भी है ये चर्चा का विषय तो बन ही रहा है। क्योंकि फोटो का मामला होर्डिंग में बहुत सोच समझकर होता है। संजीव शर्मा शहर के विधायक हैं और शहर विधानसभा में ये फोटो लगा है। विजयनगर के एक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम का ये होर्डिंग है। कई बार इस होर्डिंग पर नजर डालने के बाद भी शहर विधायक संजीव शर्मा का फोटो नजर नहीं आया।

संपादकीय

गिरती शिक्षा गुणवत्ता

अब केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने इसे गंभीर चुनौती मानते हुए ऐसे विद्यार्थियों को दोबारा मुख्यधारा से जोड़ने की पहल की है। इसके तहत राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान को जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वह विद्यार्थियों तक पहुंचे और उन्हें पढ़ाई बीच में न छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करे। देशभर में लाखों बच्चे अगर परीक्षाओं में विफल हो रहे हैं, तो इसकी वजह क्या है? क्या इसे गंभीर चुनौती मान लेने भर से इस समस्या का निवारण हो जाएगा? क्या यह जानने का प्रयास नहीं होना चाहिए कि शिक्षा में गुणवत्ता आखिर कहां कम रह गई और इसकी वजह क्या थी? विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा नहीं मिल पा रही है, तो जाहिर है कि पूरी व्यवस्था को अब दुरुस्त करने की जरूरत है। केवल चिंता जता देने और सतही कदम उठा लेने भर से काम नहीं चलेगा।

फिलहाल तथ्य यही है कि देश में दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं में हर वर्ष करीब पचास लाख विद्यार्थी विफल हो रहे हैं। इनमें अधिकतर विद्यार्थी पढ़ाई छोड़ देते हैं। खासतौर से लड़कियां विद्यालय नहीं लौटतीं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लड़के परिवार का बोझ उठाने के लिए काम करने लग जाते हैं। यह शिक्षा व्यवस्था की नाकामी तो है ही, वहीं शिक्षित भारत बनाने के लक्ष्य पर भी आघात है। इतनी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की विफलता बताती है कि विद्यालयी शिक्षा को हम गंभीरता से नहीं ले रहे। अब केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने इसे गंभीर चुनौती मानते हुए ऐसे विद्यार्थियों को दोबारा मुख्यधारा से जोड़ने की पहल की है। इसके तहत राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान को जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वह विद्यार्थियों तक पहुंचे और उन्हें पढ़ाई बीच में न छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करे। मगर सच यह है कि पिछले कई वर्षों से शिक्षा के दूरगामी लक्ष्यों पर ध्यान नहीं दिया गया है। सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों का अभाव किसी से छिपा नहीं है। कई राज्यों में तो कहीं-कहीं एक या दो शिक्षकों के भरोसे विद्यालय चलने की खबरें आई हैं। आए दिन शिक्षकों को शिक्षण कार्य से अलग दूसरे कार्यों में लगा दिया जाता है। मध्याह्न भोजन योजना से लेकर जनगणना, आधार सत्यापन और चुनावी कार्य में उन्हें उलझाए रखना कोई नई बात नहीं। ऐसे में बच्चों को शिक्षा देने का मूल कार्य प्राय: हाशिये पर चला जाता है। उनका पाठ्यक्रम तक पूरा नहीं होता और वे पढ़ाई में निरंतर पिछड़ते चले जाते हैं। देश में ऐसा परिदृश्य बन रहा है, तो इसके लिए जिम्मेदार कौन है? सरकार इस स्थिति से अनजान नहीं है। उसे इस दिशा में सतही उपाय करने के बजाय ठोस कदम उठाने होंगे।

डीएसी बैठक में बड़े रक्षा फैसले, स्वदेशी हथियारों और ड्रोन खरीद को हरी झंडी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय की सर्वोच्च खरीद संस्था, रक्षा अधिग्रहण परिषद यानी डीएसी की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए हैं। सूत्रों के अनुसार, भारतीय रक्षा बलों के लिए प्रमुख स्वदेशी परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए यह बैठक हुई। इन परियोजनाओं में दिल्ली एनसीआर क्षेत्र को हवाई खतरों से बचाने के लिए स्वदेशी एकीकृत वायु रक्षा हथियार प्रणाली भी शामिल है। भारतीय सेना की ड्रोन क्षमताओं को बढ़ाने के उद्देश्य से, रक्षा मंत्रालय लगभग 850 लोइटरिंग मुनिशन्स (लॉइटरिंग मुनिशन्स) खरीदने का निर्णय ले सकता है।

भारतीय नौसेना द्वारा अपने युद्धपोतों पर मंडरा रहे खतरों का मुकाबला करने के लिए स्वदेशी स्रोतों से बड़ी संख्या में मध्यम दूरी की सतह से वायु में मार करने वाली मिसाइल

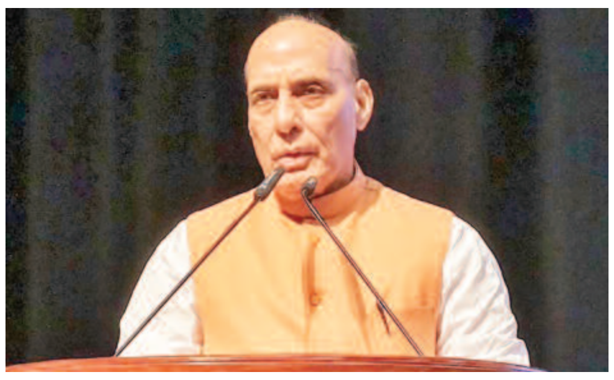

प्रणालियों की खरीद के प्रस्ताव पर भी चर्चा होने की संभावना है। बैठक में भारत अमेरिका से लगभग तीन वर्षों के लिए दो सी गार्जियन टद-9इ लअछए ड्रोन लीज पर लेने पर भी निर्णय लेगा। भारत पहले ही इन ड्रोनों में से 31 के लिए समझौता कर चुका है, जिनके 2028 से भारत में आने शुरू होने की उम्मीद है।

रक्षा मंत्रालय की ओर से भारतीय वायु सेना के लिए 200 किलोमीटर से अधिक मारक क्षमता वाली बड़ी संख्या में एस्ट्रा मार्क 2 वायु-से-वायु मिसाइलों के विकास और खरीद को मंजूरी दिए जाने की संभावना है। इसके साथ ही निश्चित संख्या में मेटियोर वायु-से-वायु मिसाइलों की खरीद भी शामिल है।

भारतीय सेना रक्षा क्षेत्र की एक सार्वजनिक इकाई के माध्यम से 200 टी-90 टैंकों का स्वदेशी नवीनीकरण करने का भी प्रस्ताव कर रही है। भारतीय वायु सेना के लिए इस्राइल से बड़ी संख्या में स्पाइस-1000 वायु-से-जमीनी मिसाइलों पर भी बैठक में चर्चा होने की संभावना है।

इस्राइल एयरक्राफ्ट इंडस्ट्रीज को एकमात्र विक्रेता बनाकर छह मिड-एयर रिफ्यूलर विमानों की खरीद पर भी चर्चा होगी। रक्षा मंत्रालय और सेना के शीर्ष अधिकारियों सहित रक्षा समन्वय समिति (डीएसी) द्वारा 120 किलोमीटर की मारक क्षमता वाले पिनाका रॉकेटों के विकास को भी मंजूरी दिए जाने की संभावना है, जिन्हें 45 किलोमीटर और 80 किलोमीटर की मारक क्षमता वाले रॉकेटों के लिए उपयोग किए जाने वाले एक ही लॉन्चर से दागा जा सकेगा।

सराफा बाजार में रिकॉर्ड तूफान सोना-चांदी ने बनाए नए कीर्तिमान

नई दिल्ली। वर्ष 2025 को वैश्विक वित्तीय इतिहास में एक ऐसे निर्णायक वर्ष के रूप में याद किया जाएगा, जब 'हार्ड एसेट्स' ने कागजी मुद्रा के वर्चस्व को सीधी चुनौती दी। यह केवल कीमतों में बढ़ोतरी का साल नहीं था। यह उस भरोसे के टूटने का साल था जो दशकों से पारंपरिक वित्तीय प्रणाली पर कायम था। निवेशक, केंद्रीय बैंक और आम उपभोक्ता सभी एक ही दिशा में भागते नजर आए। सुरक्षा की ओर। और वित्तीय दुनिया में सुरक्षा का दूसरा नाम 'सोना' है। क्रिसमस सप्ताह 2025 के दौरान जब दुनिया छुट्टियों के जश्न में डूबी थी, वैश्विक सराफा बाजार में एक अलग स्तर की तेजी दिखी।

22 दिसंबर 2025 को सोने ने वैश्विक बाजार में 4,400 डॉलर प्रति औंस के मनोवैज्ञानिक स्तर को ध्वस्त कर दिया, जबकि चांदी ने 70 डॉलर प्रति औंस के दरवाजे पर दस्तक दी। यह उछाल सामान्य नहीं था; यह 1979 के बाद का सबसे बड़ा वार्षिक लाभ था, जिसने इक्विटी, बॉन्ड्स और यहां तक कि क्रिप्टोकरेंसी के रिटर्न को भी बौना साबित कर दिया। क्या यह केवल एक तेजी थी या एक बड़ा बदलाव? आइए, अखिल भारतीय सराफा बाजार (आईबीजेए) और कॉमेक्स (कॉमेक्स) के सटीक आंकड़ों के जरिए समझते हैं। 2025 में सोने और चांदी की कीमतों में बढ़त की पूरी कहानी।

सराफा बाजार में कैसा रहा 2024 से 2025 का सफर निवेशकों के लिए पिछले दो साल किसी लॉटरी से कम नहीं रहे। अगर हम 1 जनवरी 2024 के भावों की तुलना 24 दिसंबर 2025 के भावों से करें, तो तस्वीर एकदम साफ हो जाती है।

भारत-ब्रिटेन संबंधों में ऐतिहासिक मोड़

एफटीए के साथ रणनीतिक सहयोग को नई दिशा

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच लंबे समय से लंबित मुक्त व्यापार समझौता आखिरकार 2025 में हकीकत बन गया। चार साल से अधिक समय तक चली बातचीत के बाद यह ऐतिहासिक समझौता जुलाई में नरेंद्र मोदी की ब्रिटेन यात्रा के दौरान औपचारिक रूप से संपन्न हुआ। इसके साथ ही दोनों देशों ने व्यापार और निवेश से आगे सहयोग को नई दिशा देने के लिए 10 वर्षीय 'इंडिया-यूके विजन 2035' रोडमैप पर भी सहमति जताई। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने इसे दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के साथ ऐतिहासिक समझौता।

व्यापार में बड़ी छलांग की उम्मीद

ब्रिटेन के डिपार्टमेंट फॉर बिजनेस एंड ट्रेड के अनुसार, व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते के लागू होने के बाद द्विपक्षीय व्यापार मौजूदा 44.1 अरब पाउंड से बढ़कर 25 अरब पाउंड से अधिक का इजाफा कर सकता है। इस समझौते के 2026 की पहली छमाही में ब्रिटिश संसद से अनुमोदन मिलने की उम्मीद है।

शिक्षा, प्रवासन और कर नीति पर असर

दोनों देशों ने शिक्षा सहयोग को भी अहम प्राथमिकता दी। 2026 से भारत में कम से कम नौ ब्रिटिश विश्वविद्यालय अपने विदेशी कैंपस शुरू करने की तैयारी में हैं। इसे ब्रिटेन में सख्त होती आव्रजन नीति के बीच एक संतुलनकारी कदम के तौर पर देखा जा रहा है। ब्रिटेन के गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, हाल के महीनों में करीब 45,000 भारतीय छात्र और 22,000 कामकाजी पेशेवर देश छोड़ चुके हैं। स्थायी निवास के लिए प्रतीक्षा अवधि को 10 साल करने जैसे कड़े नियमों से यह रुझान आगे भी जारी रहने की आशंका है।

टैक्स नीति और अरबपतियों का पलायन

वर्ष 2025 में ब्रिटेन की टैक्स नीति में बड़े बदलाव भी सुर्खियों में रहे। चांसलर रैचल रीव्स द्वारा 'नॉन-डॉम' टैक्स स्टेटस खत्म किए जाने के बाद कई अमीर कारोबारी देश छोड़ने की तैयारी में हैं। देशों में स्थानांतरित होने वालों में शामिल बताए गए।

2025 में प्राइमरी इक्विटी बाजार ने रचा इतिहास 365+ आईपीओ से जुटे 1.95 लाख करोड़

नई दिल्ली। 2025 में भारत के प्राइमरी इक्विटी बाजार ने नया रिकॉर्ड बनाया। रिपोर्ट के अनुसार, 365 से अधिक आईपीओ के जरिए कंपनियों ने 1.95 लाख करोड़ जुटाए। पिछले दो वर्षों में कुल 701 आईपीओ से 3.8 लाख करोड़ की फंडिंग हुई। इस दौरान एनबीएफसी सेक्टर सबसे बड़ा लाभार्थी रहा और कुल आईपीओ फंडिंग का 26.6% हिस्सा इसी से आया। वर्ष 2025 में भारत के प्राइमरी इक्विटी बाजार ने नया रिकॉर्ड बनाया। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की ताजा रणनीति रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2025 में 365 से अधिक आईपीओ के जरिए कंपनियों ने कुल 1.95 लाख करोड़ जुटाए।

एसबीआई ने 25,000 करोड़ रुपये जुटाए : भारतीय स्टेट बैंक ने अकेले 25,000 करोड़ जुटाए, जो 2025 में कुल दक्क फंडिंग का करीब 35% रहा। इसके अलावा यूको बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन ओवरसीज बैंक ने भी पूंजी पर्याप्तता बढ़ाने के लिए बाजार का रुख किया।

ऑफर्स फॉर सेल (डत्र) में भी बैंक और एनबीएफसी प्रमुख रहे। बैंक ऑफ महाराष्ट्र और इंडियन ओवरसीज बैंक बड़े डत्र सौदों में शामिल रहे। रिपोर्ट के मुताबिक, डत्र से जुटाई गई रकम का 60% हिस्सा निजी कंपनियों से आया, जो ऊंचे वैल्यूएशन के बीच प्रमोटरों की हिस्सेदारी घटाने की प्रवृत्ति को दशार्ता है। बीते दो वर्षों में प्राइमरी मार्केट से कुल 3.8 लाख करोड़ की फंडिंग हुई, जिसमें 701 आईपीओ शामिल रहे। इससे पहले 2024 में 336 आईपीओ के जरिए 1.90 लाख करोड़ जुटाए गए थे। इस दौरान एनबीएफसी सेक्टर की जोरदार वापसी और बैंकों की रणनीतिक री-एंट्री प्राइमरी फंड जुटाने में सबसे अहम रुझान के रूप में उभरी। निवेशकों की मजबूत दिलचस्पी का सबसे बड़ा फायदा क्रेडिट इंटरमीडियरीज, खासकर एनबीएफसी कंपनियों को मिला।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी का शेयर लिस्टिंग और सेकेंडरी मार्केट दोनों में मजबूत रहा और यह अपने इश्यू प्राइस से 20% से ज्यादा ऊपर कारोबार कर रहा है।

गैर-सरकारी वित्तीय संस्थान सबसे बड़े खिलाड़ी बनकर उभरे

रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में एनबीएफसी यानी गैर-सरकारी वित्तीय संस्थान सबसे बड़े खिलाड़ी रहे। कुल आईपीओ फंडिंग का 26.6% हिस्सा एनबीएफसी सेक्टर से आया। 24 आईपीओ के जरिए इस सेक्टर ने 63,500 करोड़ जुटाए, जो पिछले दो वर्षों में किसी भी सेक्टर का सबसे बड़ा योगदान है। एनबीएफसी आईपीओ को करीब 14.9 लाख करोड़ की बोलियां मिलीं, यानी औसतन 23 गुना ओवरसब्सक्रिप्शन, जो कैपिटल गुड्स और हेल्थकेयर जैसे सेक्टरों के बराबर रहा। इस आईपीओ लहर का नेतृत्व टाटा कैपिटल, एचडीबी फाइनेंशियल, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी और बजाज हाउसिंग फाइनेंस जैसी बड़ी कंपनियों ने किया। टाटा कैपिटल का 15,510 करोड़ का आईपीओ भारत का चौथा सबसे बड़ा रहा, जिसे करीब 2 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। लिस्टिंग के बाद शेयर लगभग स्थिर रहा, जिसे रिपोर्ट ने बेहतर प्राइस डिस्कवरी का संकेत बताया।

कॉपर में जबरदस्त उछाल, 2025 में 40% चढ़ा, आगे भी तेजी के संकेत

नई दिल्ली। आपूर्ति की कमी और मजबूत वैश्विक मांग के चलते तांबे की कीमतों में तेजी 2026 की पहली छमाही तक बनी रह सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार घरेलू बाजार में भाव 1,300-1,350 रुपये प्रति किलो तक पहुंचने के आसार हैं। वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही तक तांबे (कॉपर) की कीमतों में तेजी का रुझान जारी रह सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक स्तर पर आपूर्ति की लगातार चुनौतियों, नई खदानों की सीमित क्षमता और प्रमुख उपभोक्ता क्षेत्रों में मांग में सुधार के चलते यह स्थिति देखने को मिल सकती है। 2025 में तांबा करीब 40% चढ़ चुका है

केडिया एडवाइजरी के संस्थापक और निदेशक अजय सुरेश केडिया ने कहा कि 2025 में अब तक तांबा करीब 40 फीसदी चढ़ चुका है। उनके मुताबिक, तांबा के लिए हालात अभी भी मजबूत बने हुए हैं। एलएमई पर कीमतें 13,500 डॉलर प्रति टन तक जा सकती हैं।

घेरलू बाजार में तांबा की कीमत

फिलहाल घरेलू बाजार में तांबा 1,150-1,170 रुपये प्रति किलोग्राम और वैश्विक बाजार में करीब 12,100 डॉलर प्रति टन के आसपास कारोबार कर रहा है। केडिया ने कहा कि फिजिकल मार्केट के संकेत भी मजबूत हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भौतिक मांग में सुधार दिख रहा है, प्रीमियम बढ़ रहे हैं और सप्लाई साइड की चिंताएं बनी हुई हैं। सिल्वर-कॉपर रेशियो को देखें तो 2026 के लिए तांबा अगला बड़ा विजेता बन सकता है।

अमेरिका की वृद्धि से कॉपर-इंटेंसिव सेक्टरों को सपोर्ट मिला

इसी बीच, केडिया एडवाइजरी के सीनियर रिसर्च एनालिस्ट अमित गुप्ता ने कहा कि अमेरिका की मजबूत आर्थिक वृद्धि से कॉपर-इंटेंसिव सेक्टरों को सपोर्ट मिला है। उन्होंने बताया कि वर्षों से कम निवेश, खदानों में व्यवधान और चीनी स्मेल्टर्स द्वारा प्रस्तावित उत्पादन कटौती ने आपूर्ति पर दबाव बढ़ाया है।

रोचक तथ्यों का करंट

- चीनी को जब चोट पर लगाया जाता है, तो दर्द तुरंत कम हो जाता है।
- शीर्ष दूध पीने वाला देश फिनलैंड में लगभग 95 गैलन दूध / व्यक्ति / वर्ष है। शीर्ष 5 देश दूध पीने के मामले में सबसे ऊपर हैं, फिनलैंड (361.1 9 किलो), स्वीडन (355.86 किलो), नीदरलैंड (320.15 किलो), स्विट्जरलैंड (315 किलो) और ग्रीस (314.6 9 किलो) हैं।
- एक प्रकार का प्लास्टिक बनाने के लिए दूध का उपयोग किया जा सकता है जो गंधहीन, बायोडिग्रेडेबल, एंस्टीटिक, पानी में अघुलनशील और लगभग गैर ज्वलनशील है।
- दूध नॉर्थ डकोटा का आधिकारिक राज्य पेय है!
- जो देश दूध पीते हैं, वह स्मार्ट हैं और नोबेल पुरस्कार जीतने में ज्यादा सक्षम हैं!
- दूध प्रोटीन का प्रयोग लेटेक्स के निर्माण में किया जाता है, जिसका अर्थ है कि ज्यादातर कंडोम में दूध प्रोटीन होता है।
- कनाडा में, गाय को कृत्रिम हार्मोन से दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए देने के लिए अवैध है।
- दुनिया में सबसे ज्यादा प्रयोग किया जाने वाला पासवर्ड 123456 है।
- एक रिपोर्ट के अनुसार, होशियार लोग ज्यादातर अपने आप से बातें करते हैं।
- जुराब यानि मोजे पहन कर सोने वाले लोग रात में बहुत कम बार जागते हैं या बिलकुल नहीं जागते हैं।
- कोई भी अपने आप को सांस रोक कर नहीं मार सकता है।

राशिफल

मेष : यात्रा सफल रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त होने के योग हैं। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विरोध होगा।

वृष : कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। योजना फलीभूत होगी। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है।

मिथुन : पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी संत-महात्मा का आशीर्वाद मिल सकता है। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी।

कर्क : चोट व दुर्घटना से बचें। शारीरिक हानि हो सकती है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कारोबार ठीक चलेगा।

सिंह : विवाह के उम्मीदवारों को विवाह का प्रस्ताव मिल सकता है। घर-परिवार की चिंता रहेगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या : भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुओं का पराभव होगा। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। नए काम मिल सकते हैं।

तुला : किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। परिवार के सदस्यों तथा मित्रों के साथ समय सुखद व्यतीत होगा।

वृश्चिक : बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक रहेगी। वाणी में हल्के शब्दों के इस्तेमाल से बचें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

धनु : मेहनत का फल पूरा-पूरा प्राप्त होगा। रिश्तेदारों तथा मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मकर : माता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। खर्च होगा। शरीर के ऊपरी हिस्से में कष्ट संभव है। अच्छी खबर प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बना रहेगा।

कुंभ : भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों से मतभेद दूर होकर सहयोग मिलेगा। यात्रा मनोनुकूल रहेगी।

मीन : अप्रत्याशित बड़े खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था में मुश्किल होगी। कानूनी अड़चन आ सकती है। लापरवाही न करें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

चुटकुले

टीचर : पप्पू, बताओ ऑनलाइन क्लास क्या होती है?
पप्पू : जहाँ दिमाग ऑफलाइन रहता है!
टीचर : और अटेंडेंस?
पप्पू : वो मोबाइल खुद लगा देता है!

पत्नी : सुनो जी, मैं गुस्सा हूँ!
पति : क्यों?
पत्नी : क्योंकि तुम समझते नहीं!
पति : अरे समझता हूँ, पर बोलूँ तो और गुस्सा हो जाता है!

दोस्त : भाई, तू इतना शांत क्यों है आज?
गोलू : क्योंकि आज झगड़ा नहीं हुआ।
दोस्त : कैसे?
गोलू : बीवी वाई-फाई की रेंज से बाहर है!

मरीज : डॉक्टर साहब, मुझे बहुत आलस आता है।
डॉक्टर : ये कब आता है?
मरीज : जब काम सामने आता है।
डॉक्टर : फिर ये बीमारी नहीं, टैलेंट है!

मोनू : मेरा फोन बार-बार हैंग हो जाता है।
गोलू : क्यों?
मोनू : क्योंकि उसमें मेरे सपने ज्यादा हैं।
गोलू : तो फोन नहीं, ज़िंदगी रीस्टार्ट कर भाई!

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

उत्तराखंड के खिलाफ हिटमैन शून्य पर आउट

जयपुर में फैंस हुए मायूस, स्टेडियम से लौटे

जयपुर। जयपुर में विजय हजारे ट्रॉफी के मुकाबले में रोहित शर्मा शून्य पर आउट हो गए, जिससे उन्हें देखने पहुंचे सैकड़ों फैंस निराश होकर स्टेडियम छोड़ने लगे। इससे पहले रोहित ने उसी मैदान पर 155 रन की शानदार पारी खेली थी। वहीं, विराट कोहली ने बेंगलुरु में तेज अर्धशतक जमाया। रोहित और कोहली की वापसी ने घरेलू वनडे टूर्नामेंट को फिर चर्चा में ला दिया है।

विजय हजारे ट्रॉफी के मुकाबले में जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में पहुंचे फैंस को उस वक्त गहरा झटका लगा, जब मुंबई की ओर से खेल रहे रोहित शर्मा शून्य पर आउट हो गए। उत्तराखंड के खिलाफ खेले जा रहे इस मैच में रोहित को 25 वर्षीय तेज गेंदबाज देवेंद्र सिंह बोरा ने पहली ही गेंद पर पवेलियन भेज दिया। शॉर्ट बॉल पर पुल शॉट खेलने के प्रयास में रोहित का कैच डीप स्क्वायर लेग पर लपका गया। यह रोहित शर्मा का इस सीजन का दूसरा विजय हजारे ट्रॉफी मैच था और आठ साल बाद इस टूनामेंट में उनकी वापसी को लेकर जयपुर में खासा उत्साह देखने को मिला।

सुबह छह बजे से स्टेडियम पहुंचने लगे थे फैंस

रोहित शर्मा की एक झलक पाने के लिए सैकड़ों प्रशंसक सुबह छह बजे से ही सर्दी के बावजूद स्टेडियम पहुंचने लगे थे। जैसे ही यह खबर फैली कि मुंबई पहले बल्लेबाजी करेगी, स्टैंड्स में फैंस की संख्या बढ़ने लगी। हालांकि, यह उत्साह ज्यादा देर तक टिक नहीं सका। रोहित के आउट होते ही स्टेडियम में सन्नाटा छा गया और रिपोर्ट्स के मुताबिक, बड़ी संख्या में दर्शक तुरंत स्टेडियम से बाहर निकलने लगे। कुछ फैंस को अंपायर से नो-बॉल की अपील करते हुए भी देखा गया, ताकि उन्हें अपने पसंदीदा बल्लेबाज को और खेलते देखने का मौका मिल सके।

कोहली ने बंगलूरू में जड़ा अर्धशतक

इसी दिन दिल्ली के विराट कोहली ने भी विजय हजारे ट्रॉफी में अपना दूसरा मुकाबला खेला। बंगलूरू में गुजरात के खिलाफ खेले गए मैच में कोहली ने 29 गेंदों पर तेज तर्रार अर्धशतक जमाया। हालांकि, वह शतक से चूक गए और 61 गेंद में 12 चौके और एक छक्के की मदद से 77 रन बनाकर आउट हुए। यह मुकाबला बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में बंद दरवाजों के पीछे खेला गया, जहां दर्शकों को प्रवेश की अनुमति नहीं थी।

इससे पहले दिल्ली में आंध्र प्रदेश के खिलाफ कोहली ने 101 गेंदों पर 131 रन की शानदार पारी खेलकर घरेलू क्रिकेट में दमदार वापसी की थी। दर्शकों की गैरमौजूदगी के बावजूद, कई फैंस पेड़ों और कंटेनरों पर चढ़कर कोहली की बल्लेबाजी देखने की कोशिश करते नजर आए।

मैचों के प्रसारण को लेकर बीसीसीआई पर सवाल

रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के मुकाबलों का प्रसारण न होने को लेकर बीसीसीआई की आलोचना भी हुई है। कई लोगों का मानना है कि बोर्ड ने टूर्नामेंट को और लोकप्रिय बनाने का सुनहरा मौका गंवा दिया। इसके बावजूद, भारत के दोनों वनडे स्टार खिलाड़ियों की घरेलू क्रिकेट में वापसी ने विजय हजारे ट्रॉफी को एक बार फिर सुर्खियों में ला दिया है।

पिछले मैच में दिखाया था तूफानी अंदाज

इससे पहले बुधवार को रोहित शर्मा ने जयपुर में ही सिक्किम के खिलाफ खेले गए मुकाबले में दर्शकों को भरपूर मनोरंजन दिया था। उन्होंने 94 गेंदों पर 155 रन की मैच जिताऊ पारी खेली थी, जिसमें 18 चौके और नौ छक्के शामिल थे। उस मुकाबले में आयोजकों द्वारा फ्री एंट्री की घोषणा के बाद 15,000 से ज्यादा दर्शक स्टेडियम पहुंचे थे। रोहित की आक्रामक बल्लेबाजी ने फैंस को पूरा पैसा वसूल क्रिकेट देखने का अनुभव दिया था।

विश्व कप से पहले रिंकू सिंह का धमाका

106 रनों की तूफानी पारी से यूपी को दिलाई जीत

नई दिल्ली। स्टार भारतीय बल्लेबाज रिंकू सिंह ने शुक्रवार को धमाकेदार प्रदर्शन किया। वह अच्छी फॉर्म में नजर आए और शतकीय पारी से टीम की जीत सुनिश्चित की।

स्टार भारतीय बल्लेबाज रिंकू सिंह ने शुक्रवार को धमाकेदार प्रदर्शन किया। वह अच्छी फॉर्म में नजर आए और शतकीय पारी से टीम की जीत सुनिश्चित की।

राजकोट में खेले गए इस मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में चार विकेट पर 367 रन बनाए। जवाब में चंडीगढ़ की टीम 29.3 ओवर में सिर्फ 140 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई। इस तरह यूपी ने यह मुकाबला 227 रनों से जीत लिया।

---

3 बजकर 50 मिनट पर कैप नंबर-350 को श्रद्धांजलि वॉन-पोंटिंग के साथ शेन वॉर्न के बच्चे भी रहे मौजूद

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई फैंस ने मेलबर्न के समयानुसार 3 बजकर 50 मिनट पर कैप नंबर 350 शेन वॉर्न को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस खास मौके पर रिकी पोंटिंग और माइकल वॉन समेत कई दिग्गज मौजूद रहे, वहीं शेन वॉर्न के बच्चे भी इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम का हिस्सा बने, जिससे यह पल और अधिक भावुक हो गया।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मेलबर्न में जारी एशेज के चौथे टेस्ट का पहला दिन काफी रोमांचक रहा। मैच के पहले दिन ही 20 विकेट गिर गए। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की पहली पारी समाप्त हो चुकी है। हालांकि, इस बॉक्सिंग डे टेस्ट के दौरान कुछ ऐसा हुआ, जिसने फैंस का ध्यान खींचा है। इस क्षण ने हर किसी को भावुक कर दिया। स्टेडियम में मौजूद फैंस से लेकर पूर्व क्रिकेटर तक इस पल के साक्षी बने।

दरअसल, मेलबर्न टेस्ट के दौरान स्थानीय समयानुसार दोपहर तीन बजकर 50 मिनट पर ऑस्ट्रेलिया के महान स्पिनर शेन वॉर्न को श्रद्धांजलि दी गई। मेलबर्न वॉर्न का होम ग्राउंड था। ऐसे में फैंस ने भी खूब साथ दिया। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन बाउंड्री लाइन पर पहुंचे और 90 हजार से ज्यादा दर्शकों के सामने अपनी-अपनी कैप उतारकर वॉर्न को श्रद्धांजलि दी। पोंटिंग और वॉन के साथ शेन वॉर्न के बेटे जैक्सन वॉर्न और बेटी ब्रूक वॉर्न भी मौजूद रहे। इन सभी ने कैप को ठीक उसी अंदाज में घुमाया, जैसे वॉर्न विकेट लेने पर दर्शकों का अभिवादन स्वीकारते थे और जश्न मनाते थे। इसके बाद फैंस ने भी ठीक यही अंदाज अपनाया। इस भावुक कर देने वाले पल की तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हैं। वॉर्न ऑस्ट्रेलियाई बैगी ग्रीन कैप पहनने वाले 350वें खिलाड़ी थे।

ऑस्ट्रेलिया के महान स्पिनर शेन वॉर्न के निधन को करीब साढ़े तीन साल बीत चुके हैं। मार्च 2022 में 52 साल की उम्र में उन्होंने आखिरी सांस ली थी। उनका निधन दिल का दौरा पड़ने की वजह से हुआ था। वॉर्न तब थाईलैंड में थे। वॉर्न ने अपने दम पर ऑस्ट्रेलिया को कई मैच जिताए। वह महानतम स्पिनरों में गिने जाते हैं। वॉर्न ने 145 टेस्ट मैचों में 708 विकेट लिए। इनमें 37 बार पारी में पांच विकेट शामिल हैं। वहीं, 194 वनडे में उनके नाम 293 विकेट रहे। इसके अलावा वॉर्न टेस्ट में 3154 रन भी बना चुके हैं। इनमें 12 अर्धशतक शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में जारी है।

पहले दिन इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। उनके फैसले को इंग्लिश गेंदबाजों ने सही साबित किया और ऑस्ट्रेलियाई पारी को 152 रन पर समेट दिया। जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 110 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में बिना विकेट गंवाए चार रन बना लिए हैं। स्कॉट बोलैंड और ट्रेविस हेड बैटिंग के लिए उतरे।

मेलबर्न में पहले दिन का खेल खत्म, 20 विकेट गिरे और बने 262 रन; ऑस्ट्रेलिया को 46 रन की बढ़त

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में जारी है। पहले दिन का खेल खत्म हो चुका है और जिस अंदाज में खेल जारी है, दो से तीन दिन में मैच खत्म होता दिख रहा है।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में जारी है। पहले दिन इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। उनके फैसले को इंग्लिश गेंदबाजों ने सही साबित किया और ऑस्ट्रेलियाई पारी को 152 रन पर समेट दिया। जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 110 रन पर सिमट गई।

ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में बिना विकेट गंवाए चार रन बना लिए हैं। स्कॉट बोलैंड और ट्रेविस हेड बैटिंग के लिए उतरे। बोलैंड ने पहली बार ओपनर की भूमिका निभाई है। कंगारुओं की कुल बढ़त 46 रन की हो चुकी है।

इंग्लैंड की पहली पारी

कंगारुओं के 152 रन के जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी की शुरूआत भी खराब रही। 16 रन पर टीम ने चार विकेट गंवा दिए थे। जैक क्राउली पांच रन, बेन डकेट दो रन और जैकब बेथेल एक रन बनाकर आउट हुए। जो रूट खाता भी नहीं खोल सके। स्टार्क ने क्राउली-डकेट और नेसेर ने बेथेल-रूट के विकेट झटके। इसके बाद ब्रूक और स्टोक्स के बीच पांचवें विकेट के लिए अब तक 50 रन की साझेदारी हुई। ब्रूक आक्रामक बल्लेबाजी करने के चक्कर में विकेट गंवा बैठे। वह 34 गेंद में दो चौके और दो छक्के की मदद से 41 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद जेमी स्मिथ दो रन और विल जैक्स पांच रन बनाकर पवेलियन लौट गए। कप्तान स्टोक्स भी ज्यादा देर तक मैदान पर नहीं रह सके और 16 रन बनाकर आउट हो गए। गस एटकिंसन ने जरूर 28 रन की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया की ओर से माइकल नेसेर ने सबसे ज्यादा चार विकेट झटके, जबकि स्कॉट बोलैंड ने तीन विकेट लिए। मिचेल स्टार्क को दो विकेट मिले। कैमरन ग्रीन ने एक विकेट लिया।

अदालत ने ईएफआई के महासचिव के तौर पर जयवीर सिंह की बहाली की

नई दिल्ली। अदालत ने संयुक्त सचिव एमएम रहमान को कार्यवाहक महासचिव के रूप में कार्य करने से भी रोक दिया तथा ईएफआई की आधिकारिक संचार प्रणाली और बैंक खातों पर सिंह का अधिकार बहाल कर दिया।

दिल्ली की एक अदालत ने भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) के महासचिव के रूप में कर्नल (सेवानिवृत्त) जयवीर सिंह की स्थिति बहाल कर दी है। अदालत ने महासंघ की कार्यकारी समिति द्वारा उनके निलंबन को अवैध करार दिया तथा महासंघ के आधिकारिक संचार और बैंक खातों पर उनके अधिकार को बहाल कर दिया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना ने 22 दिसंबर को ईएफआई को 21 अगस्त 2025 को हुई कार्यकारी समिति की बैठक के ह्यमिनट्सह्ण लागू करने से रोक दिया। इसी बैठक में सिंह का निलंबन बढ़ाया गया था और किसी अन्य अधिकारी को कार्यवाहक महासचिव नियुक्त किया गया था।

हरमनप्रीत की नजरें अंतरराष्ट्रीय सत्र की तैयारी पर, हॉकी इंडिया लीग में अच्छे प्रदर्शन पर निगाह

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी के लिए आगामी वर्ष काफी व्यस्त है। इससे पहले, हरमनप्रीत सिंह और हार्दिक सिंह की नजरें इस सत्र की तैयारी पर हैं।

भारत के अनुभवी खिलाड़ी हरमनप्रीत सिंह और हार्दिक सिंह की नजरें हॉकी इंडिया लीग में अच्छा प्रदर्शन करके आगामी व्यस्त सत्र से पहले अपने कौशल को निखारने और आत्मविश्वास बढ़ाने पर लगी हैं। हॉकी इंडिया लीग तीन जनवरी से शुरू होगी और व्यस्त सत्र से पहले खिलाड़ियों के लिए लय में आने का सुनहरा मौका है।

जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब के लिए खेलने वाले भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने कहा कि लीग का स्तर अंतरराष्ट्रीय टूनामेंटों जैसा है और इससे खिलाड़ियों को फॉर्म पाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, हॉकी लीग भारतीय टीम के सदस्यों के लिए सही समय पर हो रही है। इसमें शीर्ष स्तर की हॉकी खेली जाती है और हर मैच अंतरराष्ट्रीय मैच की तरह ही है और हम प्रो लीग, विश्व कप तथा एशियाई खेलों से पहले ऐसा ही चाहते थे। हरमनप्रीत ने कहा, भारतीय टीम और सूरमा का कप्तान होने के नाते मुझे लगता है कि यह युवा खिलाड़ियों के लिए सीनियर्स के साथ खेलकर सीखने का सुनहरा मौका है।

भारत के स्टार मिडफील्डर हार्दिक सिंह को तीन जनवरी से चेन्नई में शुरू हो रही पुरुष हॉकी इंडिया लीग में एचआईएल संचालन परिषद टीम का कप्तान बनाया गया है।

'सचिन भी कम उम्र में खेले थे..', वैभव सूर्यवंशी को लेकर बीसीसीआई से श्रीकांत की बड़ी मांग

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी की रिकॉर्डतोड़ पारियों और निरंतर प्रदर्शन से प्रभावित होकर पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी स्रिक्कंथ ने बीसीसीआई से उन्हें जल्द भारतीय टीम में मौका देने की मांग की है। सचिन तेंदुलकर के उदाहरण का हवाला देते हुए स्रिक्कंथ ने कहा कि असाधारण प्रतिभा को उम्र के आधार पर रोका नहीं जाना चाहिए, खासकर सफेद गेंद क्रिकेट में।

पूर्व भारतीय कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर बीसीसीआई से बड़ी अपील की है। श्रीकांत का मानना है कि जिस तरह सचिन तेंदुलकर को कम उम्र में भारतीय टीम में मौका दिया गया था, उसी तरह वैभव सूर्यवंशी को भी जल्दी सीनियर सेटअप में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने वैभव की उम्र से ज्यादा उसकी प्रतिभा, निरंतरता और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता को प्राथमिकता देने की बात कही।

रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन से मची हलचल

वैभव सूर्यवंशी ने हाल ही में क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा जब वह लिस्ट ए क्रिकेट में शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बने। विजय हजारे ट्रॉफी के एक मुकाबले में उन्होंने मात्र 84 गेंदों पर 190 रन की विस्फोटक पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 15 छक्के लगाए और सिर्फ 36 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। उनकी इस पारी ने गेंदबाजों को पूरी तरह बेबस कर दिया और चयनकताओं के सामने एक मजबूत दावा पेश किया।

'हर स्तर पर रन, हर फॉर्मेट में असर'

श्रीकांत वैभव की निरंतरता से खासे प्रभावित हैं। युवा स्तर से लेकर घरेलू क्रिकेट तक, वैभव ने लगातार बड़े स्कोर किए हैं। 15 यूथ वनडे मैचों में वैभव सूर्यवंशी का औसत 51.13 का है, जिसमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनका स्ट्राइक रेट 158.79 का रहा है, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और आधुनिक क्रिकेट की समझ को दशार्ता है।

'सचिन भी इतनी ही उम्र में खेले थे'

श्रीकांत ने वैभव को और इंतजार कराने की सोच को सिरे से खारिज किया और सचिन तेंदुलकर का उदाहरण देते हुए चयनकर्ताओं से साहसिक फैसला लेने की अपील की। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल 'चीकी चाका' पर कहा, 'वैभव हर जगह शतक बना रहा है, चाहे वह आईपीएल हो, अंडर-19 हो या कोई और स्तर। आप कह सकते हैं कि यह अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ है, लेकिन वह अलग बात है।'

'लड़के में जबरदस्त क्षमता है'

श्रीकांत ने कहा, 'यह लड़का हर तरह के मैचों में हर किसी की धज्जियां उड़ा रहा है। मैंने पिछले साल भी कहा था कि उसे टी20 वर्ल्ड कप के लिए फास्ट-ट्रैक किया जाना चाहिए।

छह पारी में 584 रन-146 का औसत-116.56 का स्ट्राइक रेट

इस आंकड़े के बाद ट्रोल हुए गंभीर

नई दिल्ली। विराट कोहली की पिछली छह 50 ओवर पारियों में 584 रन, 146 का औसत और 116.56 का स्ट्राइक रेट दर्ज किया गया है, जिसमें गुजरात के खिलाफ 77 रन की पारी भी शामिल है। इन शानदार आंकड़ों के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर गौतम गंभीर को लेकर बहस और ट्रोलिंग तेज हो गई। विराट ने अपने प्रदर्शन से एक बार फिर साबित कर दिया कि वह 50 ओवर क्रिकेट के सबसे बड़े बल्लेबाजों में क्यों गिने जाते हैं।

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि 50 ओवर के क्रिकेट में उन्हें क्यों सर्वकालिक महान बल्लेबाज बताया जाता है। हालिया विजय हजारे ट्रॉफी और अंतरराष्ट्रीय वनडे मैचों को मिलाकर विराट की पिछली छह पारियों के आंकड़े सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। इन छह पारियों में विराट कोहली ने कुल 584 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 146.0 का रहा है, जबकि स्ट्राइक रेट 116.56 का है। इस दौरान उनके बल्ले से तीन शतक और तीन अर्धशतक निकले हैं। इन आंकड़ों में गुजरात के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी मुकाबले में शुक्रवार को बंगलूरू में खेली गई 77 रन की पारी भी शामिल है।

गुजरात के खिलाफ 77 रन की अहम पारी

बंगलूरू स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में गुजरात के खिलाफ खेले गए मुकाबले में विराट कोहली ने 61 गेंदों पर 77 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने 13 चौके और एक छक्का लगाया। हालांकि वह शतक से चूक गए, लेकिन शुरूआती आक्रामक अंदाज और बाद में पारी को संभालने की भूमिका ने एक बार फिर उनके क्रिकेटिंग मिजाज को दशार्या। इससे पहले विराट विजय हजारे ट्रॉफी के पहले मैच में आंध्र प्रदेश के खिलाफ 131 रन की मैच जिताऊ पारी खेल चुके थे, जिसने घरेलू क्रिकेट में उनकी वापसी को यादगार बना दिया।

विराट का पराक्रम आंकड़ों में दर्ज (पिछली 6 पारियां)

मैच	रन	जगह	फॉर्मेट
दिल्ली बनाम गुजरात	77	बंगलूरू	लिस्ट ए
दिल्ली बनाम आंध्र प्रदेश	131	बंगलूरू	लिस्ट ए
भारत बनाम द. अफ्रीका	65*	विशाखापत्तनम	वनडे
भारत बनाम द. अफ्रीका	102	रायपुर	वनडे
भारत बनाम द. अफ्रीका	135	रांची	वनडे
भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया	74*	सिडनी	वनडे

विराट कोहली की हालिया छह पारियों पर नजर डालें तो इसमें गुजरात और आंध्र प्रदेश के खिलाफ मैच से पहले, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में 135, 102 और नाबाद 65 रन और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 74* रन शामिल हैं।

इन पारियों को मिलाकर 584 रन हैं, जिससे कोहली के विराट फॉर्म का अंदाजा लगाया जा सकता है। यह प्रदर्शन ऐसे समय पर आया है, जब टीम चयन, स्ट्राइक रेट और आधुनिक आक्रामक क्रिकेट को लेकर चचाएं लगातार चल रही थीं।

सोशल मीडिया पर क्यों ट्रोल हुए गंभीर?

इन आंकड़ों के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर और मौजूदा कोच गौतम गंभीर को लेकर बहस तेज हो गई। कुछ यूजर्स ने दावा किया कि विराट कोहली ने न सिर्फ रन बनाए, बल्कि 120 से ऊपर के स्ट्राइक रेट के आसपास बल्लेबाजी कर यह दिखा दिया कि वह आधुनिक आक्रामक क्रिकेट की कसौटी पर भी पूरी तरह खरे उतरते हैं।

कई पोस्ट्स में यह कहा गया कि विराट को सिर्फ खुद को साबित करने की जरूरत नहीं थी, लेकिन उन्होंने अपने बल्ले से हर सवाल का जवाब दे दिया। उन्हें कोच गंभीर की वजह से खुद को साबित करना पड़ रहा है। इसी संदर्भ में गंभीर को लेकर आलोचनात्मक टिप्पणियां सामने आईं और यही वजह रही कि वह सोशल मीडिया पर ट्रोल होने लगे।

रू. 14.20 करोड़ का क्या करेंगे? सवाल पर 19 साल के कार्तिक बोले- पहले पापा का कर्ज चुकाऊंगा

जयपुर। चेन्नई सुपर किंग्स द्वारा 14.20 करोड़ रुपये में खरीदे गए युवा बल्लेबाज कार्तिक शर्मा ने बताया कि उनकी पहली प्राथमिकता अपने पिता का 26 लाख रुपये का कर्ज चुकाना है। नीलामी के दौरान भावनात्मक हो गए कार्तिक ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के दम पर आईपीएल इतिहास के संयुक्त रूप से सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ी बनने का मुकाम हासिल किया।

आईपीएल मिनी-ऑक्शन में चेन्नई सुपर किंग्स ने चौंकाते हुए राजस्थान के 19 साल के विकेटकीपर बल्लेबाज कार्तिक शर्मा को 14.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। अब इस युवा बल्लेबाज ने साफ कर दिया है कि इस बड़ी रकम से उनकी पहली प्राथमिकता क्या होगी। 19 वर्षीय कार्तिक ने कहा कि वह सबसे पहले अपने पिता का कर्ज चुकाएंगे। यह रकम उनके लिए सिर्फ एक पेशेवर उपलब्धि नहीं, बल्कि परिवार के लिए राहत का जरिया भी है। राजस्थान के रन मशीन कार्तिक शर्मा ने टीवी प्रेजेंटर जतिन सप्रू से बातचीत में बताया कि आईपीएल की पहली सैलरी उनके जीवन को पूरी तरह बदल देने वाली है।

'पहले पापा का कर्ज चुकाऊंगा'

बातचीत के दौरान जतिन सप्रू ने कार्तिक से पूछा कि इतनी बड़ी रकम मिलने के बाद वह अपने माता-पिता के लिए क्या करना चाहेंगे। इस पर कार्तिक शर्मा ने बिना किसी झिझक के जवाब दिया, 'यह रकम जिंदगी बदल देने वाली है। यह मेरी पहली आईपीएल सैलरी है। सबसे पहला काम मैं अपने पिता का रू. 26 लाख का कर्ज चुकाऊंगा।' कार्तिक ने हालांकि, यह नहीं बताया कि यह कर्ज किस वजह से लिया गया था, लेकिन यह उनके लिए भावनात्मक रूप से बेहद अहम था।

नीलामी के बाद भावनाओं पर नहीं रख पाए काबू

आईपीएल मिनी-ऑक्शन के दौरान चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच कार्तिक शर्मा को लेकर जबरदस्त बोली लगी। जब अंत में 14.20 करोड़ रुपये की राशि पर मुहर लगी, तो कार्तिक आईपीएल इतिहास के संयुक्त रूप से सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ी बन गए। उनके साथ यह रिकॉर्ड सीएसके द्वारा खरीदे गए ही प्रशांत वीर के नाम भी दर्ज हुआ।

कार्तिक ने माना कि वह इस पल को संभाल नहीं पाए और उनकी आंखों से आंसू निकल आए। उन्होंने कहा, 'मैं इतना खुश था कि रोने लगा। जब मेरी बोली शुरू हुई तो मुझे डर लग रहा था कि शायद आज मुझे कोई नहीं खरीदेगा। लेकिन जैसे ही बोली शुरू हुई, वह चलती ही गई। उस वक्त मैं खुद को रोक नहीं पाया। बोली खत्म होने के बाद भी मैं रोता रहा।

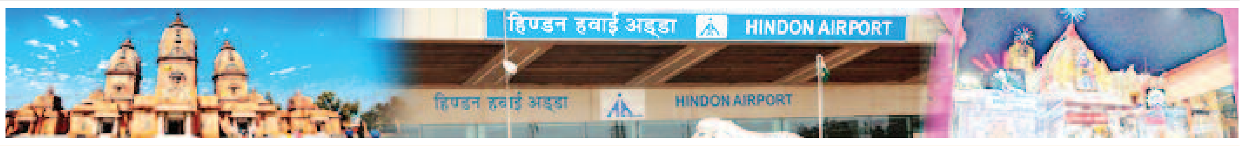

श्री खाटूश्याम बाबा भव्य संकीर्तन महोत्सव का हुआ आयोजन

नोएडा (करंट क्राइम)। भारत विकास परिषद नोएडा द्वारा श्री खाटू श्याम बाबा के भव्य संकीर्तन महोत्सव का आयोजन किया गया। नोएडा सैक्टर 19 सामुदायिक केन्द्र शनि बाजार मैदान में संकीर्तन महोत्सव बाबा श्याम की पावन ज्योति के प्रज्वलन के साथ शुरू हुआ। महोत्सव में प्रसिद्ध भजन गायक तथा श्याम भक्त बंटू भईया, सुश्री अंजलि द्विवेदी, मुकेश बांगड़ा ने श्याम प्रभु का गुणगान अपने सुप्रसिद्ध भजनों से किया। भारत विकास परिषद नोएडा द्वारा आयोजित संकीर्तन महोत्सव में भण्डारे का भी आयोजन किया गया। भारत विकास परिषद नोएडा के अध्यक्ष देवेन्द्र गंगल ने महोत्सव में आये सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया और सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद नोएडा की पूरी टीम मौजूद रही।

दरोगा बोला ऐसा है कि मुझे ना रूल समझाओ और ना ही फूल समझो

किस्सा सरकार वालों की पुलिस से तकरार का है। दरअसल यहां पर देखा जाये तो फूल तो पुलिस का भी कट गया और फूल नेता जी का भी कट गया। जिसे लेकर दोनों पक्ष भिड़ रहे थे वो दोनों को भिड़वाकर आराम से एक साईड हट गया। लेकिन इस पूरे किस्से से ये सच जरूर बाहर निकलकर आ गया कि सरकार वालों की तकरार अभी भी जारी है। उनकी पावर है लेकिन पावर के तार में करंट नहीं है। एक बड़ी सी चौकी में छोटे से मैटर में फूल वाले नेता जी पहुंचे। नेता जी ने अपने साथ गये दुकान वाले कंसल जी की हिमायत ली और दरोगा जी ने सीधे सीधे एज पर रूल कार्यवाही करने की बात कह दी। अब नेता जी को यही बात अखर गयी कि ना चाय ना पानी और हमें ही बता रहा है ये दरोगा दूसरे पक्ष की तहरीर वाली कहानी। बताते हैं कि नेता जी ने फोन निकालकर पावर वाली टोन में दो तीन फोन भी मिलाये। लेकिन इस पूरे नजारे को देख रहे दरोगा जी भी किसी प्रेशर में नहीं आये। इसके बाद जब नेता जी ने दरोगा जी को ये समझाया कि हमारी ही सरकार है और हमारा काम नहीं हो रहा तो दरोगा जी ने भी नेता जी को पूर्वांचल वाले लहजे में समझा दिया कि बात ऐसी है नेता जीकि ना तो हमें आप रूल बताओ और ना ही आप हमें फूल समझो। बाकी जो आपको ठीक लगे। मगर कहानी का ट्विस्ट ये है कि जिस दुकान को लेकर पावर वाले नेता जी और वर्दी वाले दरोगा जी आपस में उलझ रहे थे वो दुकान वाला उच्च कोटी का सुरता निकला। उसने बाहर जाकर किसी और जगह से फोन भी करवा दिया। इसके बाद नेता जी की भी नहीं चली और दरोगा जी को भी वही करना पड़ा जो उधर से फोन पर उन्हें निर्देश दिये गये थे।

मौहल्ला प्रधान जानते हैं सिम्बल के बाद भी मौहल्ला पॉलिटिक्स का गणित

फ्लॉवर खेमा 2027 के चुनावी रण की तैयारी में जुट गया है। आलम ये है कि बीएलओ ने उन्हीं की वोटें उड़ा दी हैं। इस खबर के बाद से फ्लॉवर वालों के होश उड़ गये हैं। सुना है अब इसकी भरपाई राउन्ड कैप वालों के वोट उड़ाकर करने की तैयारी हो रही है। वहीं सीन में दूसरी तरफ वोटर लिस्ट में सबसे ज्यादा भागदौड़ ही मौहल्ला प्रधानों ने की है। खास बात ये है कि मौजूदा प्रधान से लेकर सम्भावित प्रधानों ने बीएलओ के साथ कदम ताल की है। जिक्र जब भागदौड़ का मौहल्ले वालों में ही चला तो मौहल्ले वालों ने ही बता दिया कि लोकसभा और विधानसभा वालों को तो लहर का सहारा है। वो तो पीएम, सीएम का नाम लेकर चुनावी वैतरणी पार कर जायेंगे। लेकिन ये मौहल्ले के वोट हैं और इसमें जरा सी भी फेर बदल से नतीजे ही पलट जायेंगे। ये फुटकर वोट होती हैं और इसके लिए डोर टू डोर, होम टू होम , फुट फुट नापने पड़ते हैं। मौहल्ला प्रधानों को पता है कि कौन सी वोट हमारी है और कौन सी वोट हमारी नहीं है। उन्होंने इसी फॉरमेट पर काम किया है। वहां जंग की अपनी ही एक अलग से अलग ही तैयारी है।

फूल वाले कर रहे हैं इस वार्ड में साईकिल या हाथी को जिताने की तैयारी

ये राजनीति भी अजीब चीज है और इतनी अजीब है कि यहां अपनों ने ही अपनों को हराने के लिए पूरी सिद्दत से जान लगा दी है। अब वो तर्क भी दे रहे हैं कि हमारा टिकट कटवाने के लिए इन्होंने भी तो पूरी जान लगायी थी। अब कौन समझाये कि तुम्हारा टिकट हुआ ही कब था जो कट गया। लेकिन चुनावी रौनक मेला इस मौहल्ले में बिल्कुल ही अलबेला चल रहा है। लड़ें चाहें किसी भी टिकट पर लेकिन हराने का अरमान फूल को ही है। सबसे कमाल बात ये है कि मौहल्ला प्रधान बनने का अरमान लिये हर लीडर कमल का है और उसके दिल की ये इच्छा है कि भले ही मुझे कमल का टिकट ना मिले मैं साईकिल से टिकट ले आउंगा, मैं हाथी का टिकट ले आउंगा । और सभी ने लौटे में नमक डाला तो मैं जीतकर भी दिखाउंगा। कमाल ये हो गया है कि यहां फूल को धूल में मिलाने के लिए फूल वाले ही नीला रंग पोतने को तैयार हैं। फूल वाले ही साईकिल चलाते हुए पीडीए के नारे लगाने को तैयार हैं। फूल वाले ही गमला , ढोलक, गेंद, कुर्सी और चुनाव लड़ने को तैयार हैं। मौहल्ले में फूल को हराने के लिए फूल वालों ने ही कसम खा ली है।

साहिबजादों की शहादत गोष्ठी में गूंजा बलिदान का स्वर गाजियाबाद में धर्म-मानवता की रक्षा का लिया संकल्प

गाजियाबाद करंट क्राइम। वीर साहिबजादों की अमर शहादत को स्मरण करते हुए शुक्रवार को गाजियाबाद में आयोजित साहिबजादों की शहादत गोष्ठी भावनात्मक और प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुई। गोष्ठी में धर्म, सत्य और मानवता की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले चारों साहिबजादों के बलिदान को नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि साहिबजादों की शहादत केवल सिख इतिहास नहीं, बल्कि पूरे भारत की आत्मा है। उन्होंने कहा कि अत्यंत कम उम्र में साहिबजादों ने अत्याचार के सामने झुकने के बजाय धर्म और मानवता की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। यही बलिदान आज भी देश को साहस, संयम और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

विशिष्ट अतिथि सरदार एसपी सिंह, पूर्व महानगर संयोजक ने कहा कि साहिबजादों का बलिदान हमें यह सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी सत्य का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने युवाओं से साहिबजादों के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में नैतिक मूल्यों, राष्ट्रप्रेम और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करते हैं। साहिबजादों की शहादत हमें अन्याय के विरुद्ध खड़े रहने की ताकत देती है। गोष्ठी में कार्यक्रम संयोजक सचिन डेढ़ा, सहसंयोजक बलप्रीत सिंह एवं मयंक शर्मा सहित प्रह्लाद दुआ, सरदार गगन सिंह, एसपी सिंह ओबेरॉय, सरदार इंद्रजीत सिंह और सरदार टीटू सिंह ने भी अपने विचार रखे और साहिबजादों की वीरता को नमन किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनसमूह ने एक स्वर में साहिबजादों के महान बलिदान को स्मरण करते हुए धर्म, सत्य और मानवता की रक्षा के लिए उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

साहिबजादों का बलिदान राष्ट्र की धरोहर : अतुल गर्ग

करंट क्राइम। सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि साहिबजादों की शहादत आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवंत प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि आज जब समाज अनेक चुनौतियों से गुजर रहा है, ऐसे समय में साहिबजादों के साहस, निडरता और त्याग से प्रेरणा लेकर देश और समाज को मजबूत किया जा सकता है।

अटल बिहारी वाजपेयी जी की 100वीं जयंती पर जिला एमएमजी चिकित्सालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

गाजियाबाद करंट क्राइम। पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की 100वीं जयंती के अवसर पर आज जिला एमएमजी चिकित्सालय, गाजियाबाद में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर उपस्थित चिकित्सकों एवं कर्मचारियों ने अटल जी के व्यक्तित्व और कृतित्व को स्मरण किया।

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राकेश कुमार ने कहा कि स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी अपनी अटूट राजनीतिक प्रतिबद्धता, सादगी और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण के लिए सदैव स्मरणीय रहेंगे। वहीं रेडियोलॉजिस्ट डॉ. पंकज ने कहा कि विपक्ष के नेता के रूप में भी अटल जी ने स्वतंत्रता के बाद भारत की घरेलू एवं विदेश नीति को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डाटा मैनेजर कमल अरोड़ा ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ऐसे सर्वमान्य नेता थे, जिनका सम्मान विपक्षी दलों के नेता भी समान रूप से करते थे।

इस अवसर पर जिला एमएमजी चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राकेश कुमार, वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. चरण सिंह, डॉ. संतराम वर्मा, रेडियोलॉजिस्ट डॉ. पंकज, डॉ. उर्वशी गुप्ता, कमल अरोड़ा, पंकज नागर, राजू नागर, आसिम अली, चेतना, बबिता रानी, शालिनी दुबे, सुशांत शर्मा, दीपक चौहान, शिवम, पूरण सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

बलात्कार मामलों में लागू होती हैं सख्त धाराएं : एडवोकेट शशि कान्त भाटी

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद सिविल कोर्ट में कार्यरत एडवोकेट शशि कान्त भाटी ने बताया कि बलात्कार के मामलों में पहले भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 के तहत सजा का प्रावधान था। सामूहिक बलात्कार के लिए धारा 376ऊतथा बार-बार अपराध करने पर धारा 376ए लागू होती थी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 में लागू हुए नए आपराधिक कानूनों के बाद अब भारतीय न्याय संहिता (बीएनसी) प्रभावी है, जिसमें बलात्कार से संबंधित प्रमुख धारा 64 है। इस धारा के अंतर्गत न्यूनतम 10 वर्ष की सजा से लेकर आजीवन कारावास या मृत्युदंड तक का प्रावधान है, विशेषकर नाबालिग बच्चियों और सामूहिक बलात्कार के मामलों में कानून और भी अधिक कठोर है।

सपा महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव के नेतृत्व मनाई मदन मोहन मालवीय जयंती

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। जीटी रोड के स्वरूप पार्क स्थित लोक शिक्षण अभियान ट्रस्ट द्वारा समाजवादी पार्टी महानगर अध्यक्ष वीरेन्द्र यादव एडवोकेट के नेतृत्व में भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय की जयंती ह्लसांप्रदायिक सद्भावह्न दिवस के रूप में उल्लास पूर्वक आयोजित की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता एस एन जायसवाल समाजसेवी ने की, आयोजन इंजी धीरेन्द्र यादव ने किया, संचालन श्रमिक नेता अनिल मिश्र ने1 कार्यक्रम में मुख्य वक्ता लोक शिक्षण अभियान ट्रस्ट संस्थापक अध्यक्ष, समाजवादी विचारक राम दुलार यादव शिक्षाविद भी कार्यक्रम में शामिल रहे। सभी साथियों ने पंडित महामना मालवीय जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें स्मरण कर श्रद्धांजलि दे उनके प्रेरणा दायक व्यक्तित्व और कृतित्व को जन-जन में पहुँचाने और अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को जगन्नाथ प्रसाद, राम प्यारे यादव, नागेन्द्र मौर्य ने भी संबोधित किया। ताहिर अली ने ज्ञानपीठ सन्देश लोक को शिक्षित करने का अभियान चलाना है परिवर्तन लाना है भईया परिवर्तन लाना है, प्रस्तुत किया। राजेन्द्र सिंह, हुकुम सिंह ने देश-प्रेम का गीत सुना सभी की आँखें नम कर दीं।

बांग्लादेश में हिंदू युवक की निर्मम हत्या के विरोध में वैशाली में फूटा आक्रोश, फूंका पुतला

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वैशाली महानगर में बांग्लादेश में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की भीड़ द्वारा की गई बर्बर हत्या के विरोध में वैशाली महानगर में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के कार्यकताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। आक्रोशित कार्यकताओं ने बांग्लादेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों की चुप्पी पर सवाल उठाए।

'हिंदू हत्या बंद करो' के नारों से गूंजा शहर : प्रदर्शन के दौरान हिंदुओं पर अत्याचार बंद करो, भारत माता की जय और हिंदू हत्या बंद करो जैसे नारों से माहौल गर्मा गया। कार्यकताओं ने दीपू चंद्र दास की हत्या को मानवता पर कलंक बताते हुए बांग्लादेश सरकार की कड़ी निंदा की।

प्रदर्शनकारियों ने प्रख्यात लेखिका तस्लीमा नसरीन के बयानों का हवाला देते हुए कहा कि दीपू चंद्र दास को पुलिस संरक्षण के बावजूद भीड़ के हवाले कर दिया गया। उन्होंने बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस पर निशाना साधते हुए कहा कि वे जिहादियों के जनाजे में जाकर रोते हैं, लेकिन दीपू की हत्या पर उनके मुंह से एक शब्द नहीं निकला।

हिंदू समाज बर्दाश्त नहीं करेगा अत्याचार

करंट क्राइम। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में अब कोई हिंदू सब-इंस्पेक्टर नहीं बचा है और वहां योजनाबद्ध तरीके से हिंदू लड़कियों से दुष्कर्म, मंदिरों को निशाना बनाने और ईशनिंदा के बहाने हत्याओं का सिलसिला चल रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि हिंदू समाज अब ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं करेगा। इस अवसर पर डॉ. ब्रह्माकुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष प्रियंका स्वामी, राजू जी, मंत्री सुनील चौहान आदि लोग मौजूद रहे।

जीएनआईओटी-जीआईएमएसएआर में नर्सिंग छात्रों का दीप प्रज्वलन एवं शपथ ग्रहण समारोह

ग्रेटर नोएडा करंट क्राइम। ग्रेटर नोएडा स्थित जीएनआईओटी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च (जीआईएमएसएआर) में दिनांक 23 दिसंबर 2025 को दीप प्रज्वलन एवं नर्सिंग शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 5 :00 बजे हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में पधारे सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान रजिस्ट्रार अनिल माधवन, निदेशक प्रोफेसर प्रणति बरुआ एवं प्राचार्या डॉ. मंजू राजपूत द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों एवं विशेष आमंत्रित अतिथियों को स्मृति-चिह्न एवं पुष्प भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ. मंजू राजपूत, प्रिंसिपल ने उपस्थित समस्त अतिथियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत किया तथा अपने स्वागत उद्बोधन के माध्यम से समारोह को औपचारिक रूप से प्रारंभ किया। उन्होंने नर्सिंग विद्यार्थियों को अपने प्रेरणादायक शब्दों से संबोधित करते हुए सेवा-भाव, अनुशासन एवं निरंतर परिश्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अशोक कुमार बिश्नोई, डीन नर्सिंग, अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई। अपने प्रेरणादायक संबोधन में उन्होंने नर्सिंग विद्यार्थियों को सेवा-भाव, व्यावसायिक नैतिकता एवं मानवीय संवेदनाओं के साथ कार्य करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर डॉ. हरिंदर जीत गोयल, पूर्व प्राचार्य, आर.ए.के. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, दिल्ली तथा प्रोफेसर डॉ. नीतू भदौरिया, प्राचार्य, गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, ग्रेटर नोएडा की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, समर्पण एवं पेशेवर उत्कृष्टता के साथ नर्सिंग सेवा में योगदान देने की प्रेरणा दी।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राजनीति में मुलाकातों के अर्थ होते हैं और ये अर्थ कभी व्यर्थ नहीं होते हैं। सर्दी के इस मौसम में सियासी तापमान बढ़ाने वाली ये मुलाकात है। लोकसभा के पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर के आवार पर उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा पहुंचे। गुरूजी के आवास पर इस मुलाकात को और खास कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने बनाया। उन्होंने इस मुलाकात को अपनी फेसबुक पोस्ट बनाया। सर्द मौसम में हुई ये मुलाकात वाली पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

तुर्किये ने शुरू की ब्लैक बॉक्स की जांच, विमान हादसे में लीबियाई सैन्य प्रमुख समेत हुई थी आठ की मौत

इस्तांबुल। विमान हादसे की जांच के लिए लीबियाई अधिकारियों के साथ तुर्किये तालमेल बिठा रहा है। गौरतलब है कि तुर्किये पश्चिमी लीबिया की सरकार का मुख्य समर्थक रहा है, लेकिन उसने हाल ही में पूर्वी लीबिया की सरकार के साथ भी संबंध सुधारने के लिए भी कदम उठाए हैं।

तुर्किये ने विमान हादसे में लीबिया के सैन्य प्रमुख समेत आठ लोगों की मौत के मामले की जांच शुरू कर दी है। तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि विशेषज्ञों ने तुर्किये में हुई विमान दुर्घटना में बरामद ब्लैक बॉक्स की जांच शुरू कर दी है। यह जांच लीबियाई अधिकारियों के साथ मिलकर की जा रही है।

पश्चिमी लीबिया के सैन्य प्रमुख जनरल मुहम्मद अली अहमद अल-हद्दाद, चार अन्य सैन्य अधिकारियों और तीन चालक दल के सदस्यों को ले जा रहा निजी विमान मंगलवार को तुर्किये की राजधानी अंकारा से उड़ान भरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसमें सवार सभी लोगों की मौत हो गई

थी।

शुरूआती जांच में विमान हादसे की ये वजह आई सामने

एपी की रिपोर्ट के मुताबिक लीबियाई अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना की वजह विमान में तकनीकी खराबी थी। अल-हद्दाद पश्चिमी लीबिया के शीर्ष सैन्य कमांडर थे और उन्होंने लीबिया की सेना को एकजुट करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से चल रहे प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। तुर्किये और लीबिया, दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को बढ़ावा देने के मकसद से अंकारा में रक्षा वार्ता आयोजित करने के बाद उच्च स्तरीय लीबियाई प्रतिनिधिमंडल लीबिया की राजधानी त्रिपोली लौट रहा था।

तुर्किये के आंतरिक मंत्री अली येरलिकाया के अनुसार, मलबा 3 वर्ग किलोमीटर (एक वर्ग मील से अधिक) के इलाके में बिखरा हुआ था, जिससे बचाव कार्य जटिल हो गया। जहाज पर मारे गए लोगों के पांच परिवार सदस्यों सहित 22 लोगों का एक प्रतिनिधिमंडल जांच में सहायता करने के लिए बुधवार तड़के लीबिया से पहुंचा।

विद्रोह के बाद लीबिया के हुए दो टुकड़े

2011 में हुए विद्रोह के बाद लीबिया में अराजकता फैल गई, जिसने लंबे समय तक सत्ता में रहे तानाशाह मोअम्मर गद्दाफी को सत्ता से बेदखल कर दिया और उनकी हत्या कर दी। देश दो हिस्सों में बंट गया, पूर्व और पश्चिम में प्रतिद्वंद्वी प्रशासन बन गए, जिन्हें कई विद्रोही मिलिशिया और विभिन्न विदेशी सरकारों का समर्थन प्राप्त था।

ट्रंप ने एपस्टीन मामले पर किया लंबा चौड़ा पोस्ट, पूरे विवाद को बताया वामपंथी साजिश

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्रिसमस के दिन सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में फिर से बदनाम यौन तस्कर जेफ्री एपस्टीन विवाद पर अपनी बात रखी। ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा, जेफ्री एपस्टीन से जब सभी लोग अपने संबंध तोड़ रहे थे, उससे बहुत पहले ही उन्होंने, एपस्टीन से नाता तोड़ लिया था। एक लंबी चौड़ी पोस्ट में ट्रंप ने राजनीतिक विरोधियों और मीडिया संस्थानों पर भी उन्हें बदनाम करने की साजिश रचने का आरोप लगाया।

ट्रंप का दावा- उन्हें बदनाम करने के लिए एपस्टीन मामले को हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहा: ट्रंप ने लिखा, 'जेफ्री एपस्टीन से प्यार करने वाले कई घिनौने लोगों समेत सभी को क्रिसमस की शुभकामनाएं।' ट्रंप ने दावा किया कि एपस्टीन मामले को एक हथियार के

रूप में उनके खिलाफ इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने इसे एक कट्टर वामपंथी साजिश करार दिया। ट्रंप ने कहा कि एपस्टीन मामले में अधिकतर डेमोक्रेट्स नेताओं के नामों का खुलासा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि एपस्टीन से जुड़े लोगों ने खुद को जांच तेज होने पर खुद को उससे अलग कर लिया था और वे अकेले ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने ये चलन बनने से बहुत पहले ही एपस्टीन से नाता तोड़ लिया था।

जेफ्री एपस्टीन मामले पर राष्ट्रपति ट्रंप ने एक लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा है। इस पोस्ट में ट्रंप ने मीडिया संस्थानों और वामपंथियों पर उन्हें बदनाम करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। ट्रंप ने कहा कि एपस्टीन पर आरोप लगने से पहले ही वह उससे नाता तोड़ चुके थे।

ट्रंप बोले- बेकसूर लोगों को बदनाम किया जा रहा

ट्रंप ने कुछ मीडिया संस्थानों पर आरोप लगाया और कहा कि रूस जांच से संबंधित खबरों को लेकर कुछ अखबारों की झूठी रिपोर्टिंग के लिए उन्हें माफी मांगने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने तर्क दिया कि एपस्टीन मामले में मौजूदा रिपोर्टिंग के पीछे भी यही मकसद है। ट्रंप पहले भी कह चुके हैं कि एपस्टीन मामले में कई बेकसूर लोगों को बदनाम किया जा रहा है और उनका कसूर सिर्फ इतना था कि वे एपस्टीन की पार्टियों में शामिल हुए थे। गौरतलब है कि हाल ही में अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन से जुड़े मामले में कई फाइल्स जारी की हैं, जिनमें कई बड़ी हस्तियों की तस्वीरें और नाम हैं। यह मामला अमेरिका में बड़ा मुद्दा बना हुआ है।

जापान की फैक्ट्री में शख्स ने धारदार चाकू से भीड़ पर किया हमला

टोक्यो। जापान के शिजुओका प्रांत के मिशिमा शहर में एक रबर फैक्ट्री में चाकू से हमला हुआ, जिसमें 14 लोग घायल हो गए। हमले के दौरान एक तरल स्प्रे के इस्तेमाल की भी जानकारी है। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है।

जापान के मध्य हिस्से में शुक्रवार को एक फैक्ट्री में चाकू से किए गए हमले में कई लोग घायल हो गए। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह घटना मिशिमा शहर में स्थित एक रबर फैक्ट्री में हुई, जो शिजुओका प्रांत में आती है।

एक जापान की न्यूज एजेंसी के हवाले से बताया गया है कि एक व्यक्ति ने फैक्ट्री परिसर के अंदर चाकू से हमला किया, जिसमें कम से कम 14 लोग घायल हो गए। इसी दौरान हमलावर ने स्प्रे जैसा तरल पदार्थ भी इस्तेमाल किया गया। फिलहाल घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती

कराया गया है।

स्थानीय अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही राहत और बचाव दल मौके पर पहुंचे और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। हमले के बाद आरोपी को फैक्ट्री परिसर से ही हिरासत में ले लिया गया है। फिलहाल हमलावर की पहचान, हमले के पीछे की वजह और घायलों की हालत को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और फैक्ट्री कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

मलयेशिया के पूर्व पीएम नजीब रजाक भ्रष्टाचार मुकदमे में दोषी, राज्य निवेश कोष से लूटे थे अरबों डॉलर

पुत्रजया। मलयेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रजाक को वन मलयेशिया डेवलपमेंट बेरहाद भ्रष्टाचार घोटाले से जुड़े एक मामले में शुक्रवार को दोषी ठहराया गया। हाईकोर्ट ने नजीब को सत्ता के दुरुपयोग के तीन मामलों में दोषी पाया।

जेल में बंद मलयेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रजाक को शुक्रवार को एक एमडीबी राज्य निवेश कोष से अरबों डॉलर की लूट से जुड़े भ्रष्टाचार के मुकदमे के बाद दोषी ठहराया गया। देश के उच्च न्यायालय ने 72 वर्षीय नजीब रजाक को सत्ता के दुरुपयोग के तीन मामलों में दोषी पाया। बता दें कि शुक्रवार दोपहर तक पूर्व पीएम पर लगे अन्य आरोपों पर फैसला सुनाया जा रहा था। अधिकारियों के मुताबिक, नजीब ने वन मलयेशिया डेवलपमेंट बेरहाद फंड से 70 करोड़ डॉलर से अधिक की राशि अपने निजी बैंक खातों में डलवाई। नजीब 2009 से 2018 तक मलयेशिया के प्रधानमंत्री रहे। वह पहले से ही वन मलयेशिया डेवलपमेंट बेरहाद से जुड़े एक अन्य मामले में सजा काट रहे हैं, जिसकी वजह से 2018 में उनकी सरकार को चुनावी हार

झेलनी पड़ी थी।

पहले से जेल में हैं नजीब

नजीब को 2020 में एक अन्य मामले में सत्ता के दुरुपयोग, आपराधिक विश्वासघात और मनी लॉन्ड्रिंग का दोषी ठहराते हुए 12 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। यह मामला एसआरसी इंटरनेशनल से जुड़ा था, जो वन मलयेशिया डेवलपमेंट बेरहाद की एक पूर्व इकाई थी। इसमें 4.2 करोड़ रिंगिट (करीब 10.3 मिलियन डॉलर) की रकम उनके खातों में जाने का आरोप था। अंतिम अपील खारिज होने के बाद अगस्त 2022 में नजीब ने जेल जाना शुरू किया। वह जेल जाने वाले मलयेशिया के पहले पूर्व प्रधानमंत्री बने। 2024 में देश के क्षमादान बोर्ड ने उनकी सजा आधी कर दी और जुमार्ने में भी बड़ी कटौती की थी।

नजीब ने 2009 में प्रधानमंत्री बनने के तुरंत बाद वन मलयेशिया डेवलपमेंट बेरहाद विकास फंड की स्थापना की थी। वह इसके सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष भी थे और वित्त मंत्री के रूप में उनके पास वीटो पावर थी। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, 2009 से 2014 के बीच नजीब से जुड़े शीर्ष अधिकारियों और सहयोगियों ने वन मलयेशिया डेवलपमेंट बेरहाद से 4.5 अरब डॉलर से अधिक की राशि की लूट की।

इस पैसे को अमेरिका, सिंगापुर और स्विट्जरलैंड जैसे देशों के जरिए घुमाया गया। इस रकम का इस्तेमाल हॉलीवुड फिल्मों के निर्माण, लग्जरी होटल, एक महंगी यॉट, कला के बेशकीमती नमूने और गहनों की खरीद में किया गया।

चीन ने खोली दुनिया की सबसे लंबी एक्सप्रेस-वे सुरंग, मिनटों में तय होगा घंटों का सफर

बीजिंग। चीन ने शिनजियांग में 22.13 किलोमीटर लंबी तियानशान शेंगली सुरंग खोलकर दुनिया का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे सुरंग होने का दावा किया है। यह सुरंग उरूमकी-युली एक्सप्रेसवे का हिस्सा है और उत्तर-दक्षिण शिनजियांग को जोड़ती है।

चीन ने बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में एक और बड़ा कीर्तिमान स्थापित करते हुए शिनजियांग क्षेत्र में दुनिया की सबसे लंबा एक्सप्रेसवे सुरंग यातायात के लिए खोल दिया है। इस ऐतिहासिक परियोजना के शुरू होने से दुर्गम पर्वतीय इलाकों में आवागमन आसान हो गया है और यात्रा का समय घंटों से घटकर मिनटों में सिमट गया है।

चीन की सरकारी मीडिया के अनुसार, 22.13 किलोमीटर लंबी तियानशान शेंगली सुरंग को शुक्रवार को औपचारिक रूप से खोल दिया गया। यह सुरंग उत्तर-पश्चिमी चीन के शिनजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र में स्थित

तियानशान पर्वत श्रृंखला के बीच से गुजरती है। इसके चालू होने से खतरनाक और लंबी पहाड़ी यात्रा अब लगभग 20 मिनट में पूरी हो सकेगी।

चीन कम्युनिकेशंस कंस्ट्रक्शन कंपनी के चेयरमैन सोंग हाईलियांग ने दावा किया कि इस सुरंग ने दो विश्व रिकॉर्ड बनाए हैं। पहला, यह दुनिया की सबसे लंबी एक्सप्रेसवे सुरंग है और दूसरा, इसमें हाईवे सुरंगों के लिए सबसे गहरी वर्टिकल शाफ्ट बनाई गई है। यह तकनीकी दृष्टि से चीन की इंजीनियरिंग क्षमता का बड़ा उदाहरण माना जा रहा है।

10 लाख से ज्यादा अफगान नागरिक हुए निर्वासित यूएन बोला- 20 लाख शरणार्थी अभी भी पाकिस्तान में

इस्लामाबाद। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग विश्वविद्यालयों में नामांकित छात्रों को छूट देने के लिए सरकार से पैरवी कर रहा है। हालांकि छात्रों के लिए अभी तक कोई औपचारिक नीति जारी नहीं की गई है।

10 लाख से ज्यादा अफगान शरणार्थियों के 2025 में अपने देश लौटने के बावजूद, बीस लाख से अधिक अफगान शरणार्थी अभी भी पाकिस्तान में रह रहे हैं। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के आंकड़ों के हवाले से ये दावा किया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सिर्फ नवंबर महीने में 171,055 अफगान नागरिक अफगानिस्तान लौट गए, जिनमें से 37,899 को चमन, तोरखम और बरबचा सीमाओं के रास्ते निर्वासित किया गया। इसके अलावा नवंबर में यूएनएचसीआर के प्रत्यावर्तन

केंद्रों के जरिये 31,500 से ज्यादा अफगान पंजीकरण प्रमाण पत्र (पीओआर) धारकों को अफगानिस्तान भेजा गया।

यूएन के अभियानों में आ रही दिक्कत

नवंबर में पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर बढ़े तनाव ने मानवीय अभियानों को बाधित किया था। इसके चलते सीमा पार आवाजाही को प्रतिबंधित किया गया और चमन सीमा क्षेत्र से संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों को अस्थायी रूप से स्थानांतरित होना पड़ा।

खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में अवैध विदेशियों की प्रत्यावर्तन योजना (आईएफआरपी) के तीसरे चरण के बावजूद यूएनएचसीआर और उसके साझेदारों ने यह सुनिश्चित किया कि जरूरी और जीवन रक्षक सेवाएं प्रदान की जाएं, जिनमें महिलाओं और लड़कियों के लिए सुरक्षित स्थान और बच्चों के लिए स्थानों की बहाली, निरंतर कानूनी और मानसिक स्वास्थ्य सहायता शामिल हैं।

इसी बीच खैबर पख्तूनख्वा और अन्य जिलों में शरणार्थियों के स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाओं को प्रांतीय अधिकारियों को सौंपने की प्रक्रिया जारी रही। सरकार ने सितंबर 2023 में आईएफआरपी (IFRP) की शुरूआत की, जिसके कारण अफगानों की बड़े पैमाने पर वापसी हुई है।

अफगान शरणार्थियों के खिलाफ पाकिस्तानी सरकार की कार्रवाई तेज

इस योजना के पहले और दूसरे चरण को क्रमशः सितंबर 2023 और अप्रैल 2025 में लागू किया गया था। इसका लक्ष्य अवैध अफगान नागरिकों और अफगान नागरिकता कार्ड धारकों को लक्षित करना था।

पाकिस्तान पहुंचे यूएई के राष्ट्रपति, पीएम शहबाज से करेंगे द्विपक्षीय बातचीत; इन मुद्दों पर होगा फोकस

इस्लामाबाद। यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायेद अल नाहयान पाकिस्तान की पहली आधिकारिक यात्रा पर इस्लामाबाद पहुंचे। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उनका स्वागत किया। यात्रा के दौरान व्यापार, निवेश, ऊर्जा और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा होगी।

संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायेद अल नाहयान शुक्रवार को पाकिस्तान की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर इस्लामाबाद पहुंचे। यह दौरा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के निमंत्रण पर हो रहा है।

इस यात्रा को दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे भाईचारे और सहयोगी रिश्तों के लिहाज से अहम माना जा रहा है। यूएई राष्ट्रपति का विमान जैसे ही पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में दाखिल हुआ, पाकिस्तान वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने उसे हवाई सलामी

दी। नूर खान एयरबेस पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने स्वयं उनकी अगवानी की। शेख मोहम्मद बिन जायेद अल नाहयान इससे पहले जनवरी में निजी यात्रा पर पाकिस्तान आए थे, लेकिन यूएई राष्ट्रपति के रूप में यह उनकी पहली आधिकारिक यात्रा है।

पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के अनुसार, यूएई राष्ट्रपति के साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है। इस दौरान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और यूएई राष्ट्रपति के बीच द्विपक्षीय बैठक होगी, जिसमें दोनों देश व्यापार, निवेश, ऊर्जा, विकास और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करेंगे।

द्विपक्षीय रिश्तों की पूरी समीक्षा

बैठक में पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात के बीच पूरे द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की जाएगी। साथ ही क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी दोनों नेताओं के बीच विचार-विमर्श होगा। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि यह यात्रा दोनों देशों के बीच पुराने और मजबूत रिश्तों को और आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर है।

व्यापार, निवेश और ऊर्जा पर खास जोर

पाकिस्तान और यूएई के बीच कूटनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध लंबे समय से मजबूत रहे हैं। यूएई पाकिस्तान का बड़ा व्यापारिक साझेदार है और बड़ी संख्या में पाकिस्तानी नागरिक वहां काम करते हैं, जिनसे पाकिस्तान को बड़ी मात्रा में रेमिटेंस मिलती है। दोनों देशों के बीच रक्षा, ऊर्जा और निवेश के क्षेत्रों में भी सहयोग है और यूएई समय-समय पर पाकिस्तान को वित्तीय और मानवीय सहायता देता रहा है।

आम चुनाव से पहले अंतरिम सरकार के विशेष सहायक खुदा बख्श का इस्तीफा

ढाका। बांग्लादेश में उस्मान हादी की मौत के बाद भड़की हिंसा में अब तक दो अल्पसंख्यक हिंदुओं को भीड़ ने पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। 2026 में 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव से पहले इन घटनाओं से अंतरिम सरकार पर दबाव बढ़ गया था।

बांग्लादेश में आम चुनाव से पहले बिगड़ी कानून-व्यवस्था की वजह से अंतरिम सरकार के विशेष सहायक खुदा बख्श चौधरी को इस्तीफा देना पड़ा है। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के विशेष सहायक ने गुरुवार को अपना इस्तीफा सौंप दिया।

डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक मामले से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि 12 फरवरी को होने वाले राष्ट्रीय चुनाव से पहले कानून और व्यवस्था को संभालने के तरीके को लेकर मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की चिंताएं बढ़ गई थीं।

उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे खुदा बख्श, देना पड़ा इस्तीफा: जुलाई में हुए विद्रोह के बाद 10 नवंबर, 2024 को खुदा बख्श ने अंतरिम सरकार में विशेष सहायक का पद संभाला था। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया कि खुदा बख्श चौधरी से उम्मीद थी कि वह कानून प्रवर्तन एजेंसियों, विशेष रूप से पुलिस के भीतर अनुशासन बहाल करने और मनोबल बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उम्मीदें लगाई गई थीं, खरे नहीं उतरे। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के हवाले से कहा गया कि उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन न कर पाने और मुश्किलों से निपटने में कमियों के चलते खुदा बख्श को इस्तीफा देना पड़ा। उनसे मजबूत और निर्णायक भूमिका निभाने की उम्मीद की जा रही थी।

हादी की मौत और हिंसा भड़कने के मामले से बढ़ा दबाव: अंतरिम सरकार में गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाल रहे खुदा बख्श को हाल के महीनों में हुई घटनाओं की वजह से सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच उनका इस्तीफा हुआ है। इन घटनाओं में इंकलाब मंच के प्रवक्ता शरीफ उस्मान हादी की मौत और उसके बाद भड़की हिंसा में दो अखबारों के कार्यालयों पर हुए हमले के साथ ही सांस्कृतिक संगठनों छायानाट और उदिची पर हुए हमले शामिल हैं।

क्या म्यांमार में हो रहे आम चुनाव दिखावा हैं सैन्य शासन पर लग रहे गंभीर आरोप

बैंकॉक। म्यांमार की 80 वर्षीय पूर्व नेता और उनकी पार्टी चुनाव में भाग नहीं ले रही हैं। सू की वर्तमान में उन आरोपों में 27 साल की जेल की सजा काट रही हैं जिन्हें व्यापक रूप से फर्जी और राजनीतिक रूप से प्रेरित माना जाता है।

म्यांमार में पांच वर्षों बाद पहली बार रविवार को आम चुनाव का पहला चरण शुरू होगा। आलोचकों का कहना है कि यह प्रक्रिया न तो 2021 में सेना की ओर से सत्ता पर कब्जा करने से देश की नाजुक लोकतंत्र व्यवस्था को बहाल करेगी और न ही देश के कठोर सैन्य शासन की वजह से शुरू हुए विनाशकारी गृहयुद्ध को खत्म करेगी।

म्यांमार की सेना ने चुनावों को बहुदलीय लोकतंत्र की वापसी के रूप में पेश किया है। हालांकि, इसे सैन्य शासन को वैधता दिलाने के लिए एक दिखावा देने की कोशिश कहा जा रहा है। जो चार साल पहले सेना द्वारा आंग

सान सू की की निर्वाचित सरकार को सत्ता से हटाने के बाद शुरू हुआ था।

तीन चरणों में होगा म्यांमार में चुनाव: सत्ता हस्तांतरण की वजह से म्यांमार में व्यापक जनविरोध पैदा हुआ, जो गृहयुद्ध में तब्दील हो गया। इस संघर्ष ने कई विवादित क्षेत्रों में चुनाव कराना जटिल बना दिया है। देश के अलग-अलग हिस्सों में तीन चरणों में मतदान होगा। चुनाव का दूसरा चरण 11 जनवरी को और तीसरा चरण 25 जनवरी को होगा।

मानवाधिकार और विपक्षी समूहों का कहना है कि मतदान न तो स्वतंत्र होगा और न ही निष्पक्ष, और सत्ता शायद सैन्य नेता सीनियर जनरल मिन आंग ह्लाइंग के हाथों में ही रहेगी। आलोचकों को नागरिक शासन की वास्तविक बहाली पर शक है।

सरकार पर रहेगा सेना का दबदबा: इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप के म्यांमार विश्लेषक रिचर्ड हॉर्सी ने कहा कि यह चुनाव उसी सेना की ओर से कराया जा रहा है, जो 2021 के तख्तापलट के पीछे थी। उन्होंने एसोसिएटेड प्रेस से बातचीत में कहा, 'ये चुनाव बिल्कुल भी विश्वसनीय नहीं हैं। इनमें उन राजनीतिक दलों में से कोई भी शामिल नहीं है जिन्होंने पिछले चुनाव या उससे पहले के चुनाव में अच्छा प्रदर्शन किया था।' होर्सी का कहना है कि सेना की रणनीति यह है कि उसकी पसंदीदा यूनियन सॉलिडैरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी भारी बहुमत से जीते। इससे म्यांमार में प्रत्यक्ष सैन्य शासन एक ऐसी सरकार में बदल जाए, जिसमें लोकतंत्र का दिखावा हो और जो सेना के नियंत्रण को बरकरार रखे।

इससे सेना को यह दावा करने का मौका मिलेगा कि चुनाव कराने से दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के 11 सदस्यीय संगठन (आसियान) के शांति प्रस्ताव की भावना के अनुरूप समावेशिता की दिशा में प्रगति हुई है, जिसमें सभी संबंधित पक्षों के बीच रचनात्मक संवाद का आह्वान किया गया है ताकि वे लोगों के हित में एक शांतिपूर्ण समाधान खोज सकें।

नए साल पर हमले की तैयारी में जुटे आईएस के 115 आतंकी गिरफ्तार

तुर्की। तुर्किये ने क्रिसमस और नए साल के कार्यक्रमों में हमले की योजना बना रहे इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह के 100 से अधिक आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इस्तांबुल शहर के मुख्य अभियोजक के मुताबिक, शहर में 124 ठिकानों पर बड़े पैमाने पर छापे मारे गए। इनमें हथियार, गोला-बारूद और आईएस से जुड़े दस्तावेज जब्त किए गए। अधिकारियों के मुताबिक, आईएस के ये सदस्य इस हफ्ते पूरे तुर्की में खासकर गैर-मुसलमानों के खिलाफ हमलों की योजना बना रहे थे।

तुर्किये पुलिस ने 115 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। इनमें से 22 और का पता लगाने की कोशिशें जारी हैं। ये संदिग्ध तुर्किये के बाहर आईएस के गुर्गों के संपर्क में थे। आईएस के खिलाफ यह कार्रवाई तुर्किये की खुफिया एजेंसियों के अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा पर इस समूह के खिलाफ छापा मारने के दो दिन बाद की गई। तुर्किये का एक नागरिक इस क्षेत्र में काम करने वाले आईएस विंग में एक ऊंचे पद पर था।

अश्रुपूर्ण नेत्रों से दी गयी अशोक कुमार अग्रवाल नमक वाले और अभिनव अग्रवाल को श्रद्धांजलि

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। व्यापारी नेता अशोक कुमार अग्रवाल नमक वाले और उनके भतीजे अभिनव अग्रवाल का 16 दिसम्बर को एक सड़क हादसे में निधन हो गया था। स्वर्गीय अशोक कुमार अग्रवाल और स्वर्गीय अभिनव अग्रवाल की शोकसभा शुक्रवार को मोदीनगर के लक्ष्मीनारायण मंदिर में आयोजित की गयी। शोकसभा में समाज के सभी वर्गों के गणमान्य लोग पहुंचे और सभी ने स्वर्गीय अशोक कुमार अग्रवाल नमक वालों और उनके भतीजे अभिनव अग्रवाल के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने शोक संतृप्त परिवार के सतीश कुमार अग्रवाल, लोकेश कुमार अग्रवाल, रजत अग्रवाल, आदित्य अग्रवाल, तनिष्क अग्रवाल, आंचल ऋतविक, कोमल तथा करन को सांत्वना दी। शोक सभा में पहुंचे गणमान्य लोगों ने दिवंगत आत्माओं के मोक्ष की प्रार्थना करते हुए परिजनों को ढांढस बंधाया।

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** महानगर वाले दफ्तर पर जब संगठन ने सभी पार्षद बुलाये? तब वहां निगम सदन की मुखिया का चेहरा क्यों नजर नहीं आया? कहने वाले ने कहा कि जब कैबिनेट मंत्री आ सकते हैं बैठक में तो फिर मेयर को भी बुलाना चाहिए था ? एक हाथ आगे बड़ाना चाहिए था ? कहने वाले ने कहा कि बैठक में अगर मेयर भी रहती मौजूद? तो नगर निगम का दिखाई देता स्वागत वाला वजूद?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** उठ रहे हैं भगवा वार्ड में ये विचार? क्यों कर दिया दादा जी की स्मृति में लगाये जाने वाले हैल्थ शिविर से उनके पोते ने अपने पिता का फोटो बाहर? कहने वाले ने कहा कि हमने तो ऐसा सीन ही देखा है पहली बार? जब विधायक जी की फोटो को मिला स्थान और पिता जी की फोटो हो गयी बैनर से भी बाहर? कहने वाले ने कहा कि हो सकता है पिता जी सिखा रहे हों बेटे को पॉलिटिक्स का ये अंदाज? नहीं करना है हमें कभी भी राजनीति में बड़े चेहरों को नजरअंदाज? भले ही हमें खुद को करना पड़ जाये नजर अंदाज?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** नदियापार के ठाकुर पार्षदों में चल रही इंटरनल तकरार हो गयी है क्या खत्म? दोनों में फिर से दिखाई दे रहा है पहले जैसा प्यार? सुना है भाटी और सोलंकी पहुंचे थे महानगर दफ्तर पर मंत्री जी की कार में होकर सवार? सभी ने देखा कैबिनेट वालों की कार से उन्हें उतरते हुए? सुना है वो महानगर से गये भी थे एक साथ?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** कैबिनेट वालों ने भी कर दिया अटल जयंती के कार्यक्रम में इस बात को साफ? राजनीति में चलता है हाथ को हाथ और साथ को साथ? सुना है उन्होंने दे दिया किसी पुराने जुमले का उदाहरण? कहा जिसका जैसा होगा डांस, उसके उतने ही बढ़ेंगे चांस? क्या मंत्री ने कह दिया कि जैसा नाचोगे, वैसा ही वारफेर होगा? क्या ये बात एसआईआर अभियान से जुड़कर ही चली? कर दिया स्पष्ट, सबको मेहनत करनी होगी, जितने बढ़ेगे वोट उतना मेरा मिलेगा सर्पोट?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** 16 से 3 पर आ गयी निगम में कांग्रेस और अब आगे क्या रहेगा सीन? कहने वाले ने कहाकि संगठन से मत रखना कोई उम्मीद और यहां चुनाव लड़ने वालों को बजानी है खुद अपनी बीन? कांग्रेस के पुराने कार्यकर्ता ने रख दी निकालकर मन की बात? कहा हमें भी दिखा दो चुनाव के वो फोटो जिसमें हमारे बड़े नेता रहे हों मौहल्ले में चुनाव लड़ रहे किसी भी उम्मीदवार के साथ?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** समाजवादी पार्टी में इन दिनों प्रकोष्ठ वाली राजनीति के चेहरे दिखाई दे रहे हैं खामोश? साईकिल वाले यूथ आखिर क्यों नहीं दिखा पा रहे हैं कार्यक्रमों को लेकर इतना जोश? कहने वालों ने कहा कि साईकिल वालों में विल पावर तो है पूरी, मगर उन्होंने मुकदमों के डर से बना ली है अब ज्यादा विरोध करने से दूरी?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत वाले कार्यक्रम में हो गयी युवा चौपड़ा की भी एंट्री? सुना है मिला है उन्हें भी होर्डिंग से लेकर भीड़ वाली मॉनिटरिंग का काम? कहने वाले ने कहा कि चौपड़ा जी ही संभालेंगे प्रत्येक पार्षद के पांच होर्डिंग के भुगतान वाला काम? सुना है पार्षद चौपड़ा जी को बतायेंगे होर्डिंग का दाम? और फिर हो जायेगा पांच होर्डिंग का भुगतान? चौपड़ा जी भी इस बात पर रखेंगे बारीक नजर कि किस पार्षद का रहा है होर्डिंग से लेकर भीड़ जुटने में कितना योगदान?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत में कौन से चेहरे रहेंगे मुख्य वाले फ्रेम से दूर? कहने वाले ने कहा कि चेहरे भी समझ रहे हैं प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत वाली लिस्ट का ट्विस्ट? सुना है कहीं पहलवान को किया जा सकता है इग्नोर तो कहीं किसी त्यागी नाम पर नहीं होगा गौर? कहने वाले ने कहा कि थीम नहीं बदलेगी, भले ही कोई लगाये कितना जोर?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** शीतकालीन सत्र के बाद क्या फिर से नगर निगम के भगवा पार्षद करेंगे लखनऊ की यात्रा? क्या रहेगी इस बार पार्षदों की 25 वाली मात्रा? सुना है इस बार कार से भी नहीं जायेंगे और बस का भी नहीं होगा टूर? 25 पार्षद करेंगे ट्रेन की यात्रा? ऐसा कौन सा मुददा है जिसे वो लखनऊ में जाकर ही बतायेंगे?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** 15 जनवरी को लेकर अभी नहीं बनी है बर्थडे वाली कोई भी स्कीम? नाम उजागर ना करने की शर्त पर महावत ने कर दिया खुलासा? अजी हमारे यहां चल रही है दूरी ही फिल्म? तब तक बदल ही ना जाये अध्यक्ष वाला सीन? नीले महावत ने कर दिया इस बार बड़े आयोजन से इंकार? महावत ने कहा कि आयोजन में हो जाता है एक बड़ा खर्चा? अभी हमें नहीं मिला है ऐसा कोई चेहरा जिसके नाम पर हम फाड़ सकें बिल ऑफ खर्चा?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

वीर बाल दिवस: साहस, बलिदान और प्रेरणा का जीवंत उत्सव

गाजियाबाद में 51 बच्चों का सम्मान, साहिबजादों की वीरता से जुड़ी नई पीढ़ी

गाजियाबाद करंट क्राइम। वीर बाल दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन गाजियाबाद ने शुक्रवार को प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें अदम्य साहस, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा की भावना को आत्मसात करने वाले 51 बच्चों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विकास अधिकारी प्रज्ञा श्रीवास्तव ने की।

कार्यक्रम के दौरान नरेन्द्र मोदी द्वारा वीर बाल दिवस पर प्रसारित संदेश का सजीव प्रसारण किया गया। इस अवसर पर जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 12 बच्चों को प्रतीक चिन्ह एवं उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, विभिन्न संस्थाओं तथा एनसीसी कैडेट्स के 42 बच्चों को भी उपहार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में बच्चों को संबोधित करते हुए जिला विकास अधिकारी ने सिखों के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह के छोटे साहिबजादों–जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह–के अद्वितीय बलिदान को स्मरण कराया। उन्होंने कहा कि अत्यंत कम उम्र में साहिबजादों ने धर्म, सत्य और मानवता की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उनका साहस आज भी देश के बच्चों को निडर, ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ बनने की प्रेरणा देता है।

जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर ने वीर बाल दिवस के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि हर वर्ष 26 दिसंबर को यह दिवस मनाया जाता है, ताकि देश के बच्चे और युवा साहिबजादों के बलिदान से प्रेरणा लेकर राष्ट्र और समाज के लिए समर्पित जीवन का संकल्प लें।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर पर कराटे में अंडर-14 पदक विजेता मुस्कान, एनसीसी के राष्ट्रीय शिविर प्रतिभागी और जनसेवा से जुड़े सूर्यांकान्त, 1500 मीटर दौड़ में राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त अतुल, शतरंज में राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त मोनिशा तथा राष्ट्रीय मैथमैटिक्स डे अवार्ड से सम्मानित श्रीवांशु सागर ने अपने संघर्ष, अनुशासन और सफलता के अनुभव साझा किए। उनकी बातें सुनकर उपस्थित छात्र-छात्राओं में उत्साह और रोमांच का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम में जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी अंशुल चौहान, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष जेपी भद्रदास, विधि सह परिवीक्षा अधिकारी लोकेन्द्र सिंह, बाल संरक्षण अधिकारी सागर श्रीवास्तव, जिला समन्वयक नेहा वालिया सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य और शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

अभिषेक गर्ग के हाथों हुआ ब्यूटी एक्सपो का शुभारंभ

गाजियाबाद करंट क्राइम। गोविंदपुरम स्थित हेरिटेज फार्म हाउस में आयोजित दो दिवसीय ब्यूटी एक्सपो का शुभारंभ समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव अभिषेक गर्ग ने दीप प्रज्वलन कर किया। उद्घाटन अवसर पर बड़ी संख्या में ब्यूटी एवं वेलनेस क्षेत्र से जुड़े लोग मौजूद रहे।

बतौर विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम में पहुंचे अभिषेक गर्ग ने कहा कि ब्यूटी और वेलनेस सेक्टर आज युवाओं के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बन रहा है। इस तरह के आयोजनों से नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है और स्थानीय व्यवसायों को मजबूती मिलती है। कार्यक्रम के दौरान आयोजक अनुज गर्ग द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया। एक्सपो में ब्यूटी इंडस्ट्री से जुड़े विभिन्न स्टॉल, उत्पादों की प्रदर्शनी और आधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहा। आयोजकों के अनुसार यह ब्यूटी एक्सपो दो दिनों तक चलेगा।

एक फौजी को जो जज्बा विरासत में मिला हो, ऐसे हैं महामहिम मिजोरम डॉ जनरल वी के सिंह : अजय गुप्ता

गाजियाबाद करंट क्राइम। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उद्योग व्यापार मंडल एवं समाजसेवी अजय गुप्ता ने कहा कि डॉ जनरल वी के सिंह देश भक्ति और तिरंगे में पूर्ण रूप से निछावर रहने वाले व्यक्ति हैं। चाहे वह कितने ही बड़े ओदेय विराजमान हो,पर उनका दिल हमेशा तिरंगे के लिए,देश की सेवा के लिए धड़कता रहता है। अपने ऐसे फौजी अफसर के सामने नतमस्तक है, देश का हर व्यक्ति, जनरल वी-के सिंह महामहिम ने तिरंगे और देश के प्रति प्यार और सम्मान की कुछ फोटो मिजोरम में हुए शहीदी दिवस पर छोटे-छोटे बच्चों के साथ अपनी भावनाएं और कुछ फोटो शेयर की और कुछ लाइन उन्होंने इस तरह से प्रस्तुत की। फौजी देशभक्ति जैसे ही तिरंगा पहाड़ियों के ऊपर ऊँचा लहराया। इसने हमें अपनी स्वतंत्रता की रक्षा के लिए किए गए बलिदानों और अपने संविधान के मूल्यों को बनाए रखने की हमारी साझा जिम्मेदारी की याद दिलाई। भारत देश के प्रत्येक व्यक्ति को गर्व है ऐसे पूर्व आर्मी चीफ और गवर्नर मिजोरम वी के सिंह पर।

वीवीआईपी गेस्ट हाउस में हंगामा मारपीट और धमकी का आरोप

नंदग्राम थाने में नामजद सहित आठ अज्ञात पर एफआईआर दर्ज

गाजियाबाद करंट क्राइम। नंदग्राम थाना क्षेत्र स्थित वीवीआईपी गेस्ट हाउस/एस्टेट में हंगामा, गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने नामजद आरोपी गौरव त्यागी समेत उसके 8 अज्ञात साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एफआईआर के अनुसार, घटना 24 दिसंबर 2025 को दोपहर करीब 13:30 बजे की है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि गौरव त्यागी अपने साथियों के साथ गेस्ट हाउस में घुस आया और अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए होटल बंद कराने की धमकी दी। आरोप है कि कागजात और लाइसेंस दिखाने के बावजूद आरोपियों ने धक्का-मुक्की की, मारपीट की और तोड़फोड़ व जान से मारने की धमकी दी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धाराओं 191(2), 333, 115(2), 352 और 351(2) के तहत एफआईआर दर्ज की है। प्रकरण की जांच उप-निरीक्षक को सौंपी गई है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपों की जांच की जा रही है, सीसीटीवी व अन्य साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।